



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 60]	नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 21, 2019/फाल्गुन 2, 1940
No. 60]	NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 21, 2019/PHALGUNA 2, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2019

मामला सं. O.I. 6/2018

विषय : चीन जन. गण., मलेशिया, सउदी अरब, दक्षिण कोरिया और थाईलैण्ड से "सोलर मॉड्यूल के लिए एथिलीन विनाइल एसीटेट (ई वी ए) शीट" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

1. **फा. सं. 06/9/2018 - डी जी ए डी.**—जबकि, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां प्राधिकारी कहा गया है) को नियमों के तहत चीन जन. गण., मलेशिया, सउदी अरब, दक्षिण कोरिया और थाईलैण्ड (जिसे यहां संबद्ध देश भी कहा गया है) से "सोलर मॉड्यूल के लिए एथिलीन विनाइल एसीटेट (ई वी ए) शीट" (जिसे यहां संबद्ध वस्तु अथवा पी यू सी भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए मै. रिन्यू साइस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड (जिसे यहां "आवेदक" या "याचिकाकर्ता" अथवा "घरेलू उद्योग" कहा गया है) से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है।
2. जबकि, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और प्रभाव के निर्धारण और पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश पर विचार करने के लिए, नियमावली के नियम 6(1) के अनुसरण में, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 4 अप्रैल, 2018 को एक पब्लिक नोटिस जारी किया।

क. कार्य प्रक्रिया

3. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित निम्नलिखित कार्य प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

- i. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसरण में जांच को आरंभ करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने से पूर्व पाटन आवेदन की प्राप्ति के बारे में संबंध देशों के देतावासों को अधिसूचित किया।
- ii. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबंध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबंध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 4 अप्रैल, 2018 को एक पब्लिक नोटिस जारी किया।
- iii. प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों (जिनके विवरण आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं) और उद्योग एसोसिएशनों को पब्लिक नोटिस की प्रति अग्रेषित की और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसरण में लिखित अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- iv. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में संबंध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली भेजी :-
 - क. मैसर्स फर्स्ट इ वी ए, चीन
 - ख. मैसर्स स्वेक, चीन
 - ग. मैसर्स हान्वा क्यू सैल्स सोलर पावर, मलेशिया
 - घ. मैसर्स टी पी आई, थाईलैण्ड
 - ङ. मैसर्स हान्वा क्यू सैल्स (थाईलैण्ड) कं. लिमि.
 - च. मैसर्स वाहज, सउदी अरब
 - छ. मैसर्स हान्वा क्यू सैल्स कोरपोरेशन साउथ कोरिया
- v. भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक/ निर्यातक के रूप में निम्नलिखित कंपनियों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं :
 - क. मैसर्स चांगझाऊ बबैटर सेंचुरी, चीन
 - ख. मैसर्स चांगझाऊ बबैटर इंटरनेशनल, चीन
 - ग. मैसर्स सुझाऊ फर्स्ट पी वी मैटीरियल कं., चीन
 - घ. मैसर्स हंगझाऊ फर्स्ट एप्लाइड मैटीरियल कं. चीन
 - ङ. मैसर्स फर्स्ट ग्लोबल विजनेस कं., लिमि., चीन
 - च. मैसर्स चांगझाऊ स्वेक पी वी न्यू मैटीरियल कं. लिमि., चीन
 - छ. मैसर्स हान्वा एडवांस्ड मैटीरियल कारपोरेशन, कोरिया
 - ज. मैसर्स टी पी आई आल सीजन्स कं. लिमि., थाईलैण्ड
 - झ. मैसर्स सउदी स्पेशिलाइज्ड कं., सउदी अरब
- vi. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि चीनी कंपनियों द्वारा गैर बाजार आर्थिक स्थितियों पर प्रचालन करना जारी है। इसलिए बाजार आर्थिक स्थितियों पर एक अनुपूरक प्रश्नावली चीन जन. गण. में ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों और भारत में चीन जन. गण. के दूतावास को भी निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध कराने के अनुरोध सहित भेजी गई।

- vii. चीन से किसी भी प्रत्युत्तरकारी उत्पादकों/ निर्यातकों ने घरेलू उद्योग के उपर्युक्त दावे को गलत साबित करने के लिए उक्त अनुपूरक प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए।
- viii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में अनिवार्य सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं/ एसोसिएशनों की प्रश्नावलियां भेजी गईं :
1. मैसर्स नवीटास ग्रीन सोल्यूशंस प्रा. लिमि.
 2. मैसर्स भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमि.
 3. मैसर्स माइक्रोसन सोलर टेक प्रा. लिमि.
 4. मैसर्स प्रीमियर सोलर सिस्टम्स प्रा. लिमि.
 5. मैसर्स अक्षय सोलर पावर (इण्डिया प्रा. लिमि.
 6. मैसर्स एक्सेस सोलर लिमि.
 7. मैसर्स एम वी फोटोवोल्टेक पावर प्रा. लिमि.
 8. मैसर्स लानको सोलर प्रा. लिमि.
 9. मैसर्स एंडोमेडा एनर्जी टेक्नोलोजीज प्रा. लिमि.
 10. मैसर्स इन्नोवेटिव सोलर सोल्यूशंस सोवा पावर लिमि.
 11. मैसर्स गौतम सोलर प्राइवेट
 12. मैसर्स लिमिटेड अल्पेक्स एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमि.
 13. मैसर्स गोल्डी ग्रीन टेक्नोलोजीज प्रा. लिमि., सूरत
 14. मैसर्स एच बी एल पावर सिस्टम्स लिमि.
 15. मैसर्स ग्रीनटेक इण्डिया प्रा. लिमि.
 16. मैसर्स अभिषेक सोलर इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि.
 17. मैसर्स विक्रम सोलर प्रा. लिमि. अदिति सोलर प्रा. लिमि.
 18. मैसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम
 19. मैसर्स राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंट्स लिमि.
 20. मैसर्स सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमि.
 21. मैसर्स सिरीयस सोलर एनर्जी सिस्टम प्रा. लिमि.
 22. मैसर्स इंटीग्रेटेड बैटरीज इण्डिया प्रा. लिमि.
 23. मैसर्स सहज सोलर प्रा. लिमि.
 24. मैसर्स भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमि.
 25. मैसर्स ई पी डी आइकॉन सोलर-एन पावर टेक्नालाजीज प्रा. लिमि.
 26. मैसर्स प्लाजा पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कं.
 27. मैसर्स सोल्टेक फोटोवोल्टेक प्रा. लिमि.
 28. मैसर्स सुनिवा इंक
 29. मैसर्स नाटको फर्मा लिमि.
 30. मैसर्स हिमालयन सोलर प्रा. लिमि.
 31. मैसर्स जैक्सन इंजीनियर्स लिमि.
 32. मैसर्स लुबी इलेक्ट्रानिक्स सोवा सोलर लिमि. (यूनिट - ii)
 33. मैसर्स श्री सावित्र सोलर प्रा. लिमि.
 34. मैसर्स सात्विक ग्रीन एनर्जी प्रा. लिमि.
 35. मैसर्स एच वी आर सोलर प्रा. लिमि.
 36. मैसर्स सेनलाइट सोलर प्रा. लिमि.
 37. मैसर्स इंसोलेशन एनर्जी प्रा. लिमि.
 38. मैसर्स अल्पेक्स एक्सपोर्ट्स लिमि., ग्रेटर नोएडा

39. मैसर्स ब्राउन एनर्जी प्रा. लिमि.
 40. मैसर्स मेहर सोलर टेक्नालाजी प्रा. लिमि.
 41. मैसर्स सानयो इलेक्ट्रीक ग्रीन
 42. मैसर्स ब्रिलीएंस रिन्यूएबल एनर्जी एल एल पी
 43. मैसर्स एच. आर. सोलर सोल्यूशन प्रा. लिमि.
 44. मैसर्स स्वीलैक्ट एनर्जी सिस्टम्स लिमि.
 45. मैसर्स एनफ्रोज टेक्नालाजीज प्रा. लिमि.
 46. मैसर्स ओ आर बी एनर्जी प्रा. लिमि.
 47. मैसर्स सुनुसा इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि.
 48. मैसर्स शेलाफर महाथी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि.
 49. मैसर्स फोटोन एनर्जी सिस्टम्स लिमि.
 50. मैसर्स हुहतामकी पीपीएल लिमि.
- ix. निम्नलिखित आयातकों/ प्रयोक्ताओं ने प्रत्युत्तर दिया और आयातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए :
1. मैसर्स नार्थ इण्डिया मॉड्यूल मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन
 2. मैसर्स वारी इंजीनियर्स
 3. मैसर्स एमवी फोटोवोल्टेक लिमि.
 4. मैसर्स इसोलेशन एनजी प्रा. लिमि.
 5. मैसर्स पी वी टेक्नो पावर लिमि.
 6. मैसर्स एन के सोलर एनर्जी प्रा. लिमि.
 7. मैसर्स विक्रम सोलर लिमि.
- x. चाइना चैम्बर्स ऑफ कामर्स (सी सी सी एम सी), मलेशिया/दूतावास और साउथ कोरिया के दूतावास ने भी जारी जांच का विरोध करते हुए अपने अनुरोध दायर किए।
- xi. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए एक खुली पब्लिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराए।
- xii. अनिवार्य समझी गई सीमा तक आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से अतिरिक्त सूचना की मांग की गई। जांच के प्रयोजनार्थ अनिवार्य समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का सत्यापन आयोजित किया गया।
- xiii. दिनांक 05.02.2019 को एक प्रकटन विवरण जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचारार्थ विचारार्थ अनिवार्य तथ्य शामिल हैं, जारी किया गया जिसमें प्रकटन विवरण पर टिप्पणी, यदि कोई हो, को प्रस्तुत करने के लिए 12.02.2019 तक का समय दिया गया। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात टिप्पणियों पर उपयुक्त रूप से विचार किया है।
- xiv. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां जरूरी था, वहां गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया। गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और उन्हें नियमों के अनुसार प्राधिकारी द्वारा अनुरक्षित पब्लिक फाइल में रखा गया।
- xv. घरेलू उद्योग के लिए क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए, सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण और बिक्री की लागत और उत्पादन की लागत पर आधारित क्षति रहित कीमत (एन आई पी) को तैयार किया गया है।

- xvi. पी ओ आई सहित क्षति अवधि के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी (डी जी सी आई एंड एस) से संबद्ध वस्तुओं के लिए सौदावार आयात आंकड़े प्राप्त किए गए। प्राधिकारी जहां भी जरूरी था, वर्तमान जांच में डी जी सी आई एंड एस से अधिप्राप्त आयात आंकड़ों का आश्रय लिया है।
- xvii. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों और आयात आंकड़ों के बाद में सत्यापन के आधार पर यह बात सामने आई है कि कोरिया जन.गण. के आयातों, जिन्हें जांच की शुरुआत के समय विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया गया था, वास्तव में “ईवीए रेजिन्स” थे, जोकि विचाराधीन उत्पाद के लिए कच्ची सामग्री है। कोरिया जन.गण. से कुल आयातों से इन प्रविष्टियों को अलग करने के बाद यह पाया गया था कि कोरिया से आयात न्यूनतम से कम थे। इसके मद्देनजर प्राधिकारी नियम 14(घ) के प्रावधान के अनुसार कोरिया के विरुद्ध जांच समाप्त कर रहे हैं। अतः वर्तमान जांच के तहत संबद्ध देश चीन जन.गण., मलेशिया, सउदी अरब और थाइलैंड ही हैं।
- xviii. पाटनरोधी निमयावली के नियम 6(6) के अनुसरण में, प्राधिकारी ने दिनांक 19 जुलाई, 2018 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।
- xix. 1 अक्टूबर, 2016 से 30 सितंबर, 2017 तक पी ओ आई की अवधि के लिए जांच की गई। क्षति के संदर्भ में, प्रवृत्तियों की जांच में 1 अप्रैल, 2014 – 31 मार्च, 2015, 1 अप्रैल, 2015 – 31 मार्च, 2016, 1 अप्रैल, 2016 – 31 मार्च, 2017 और पी ओ आई की अवधि सम्मिलित की गई है।
- xx. इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए और वर्तमान जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का उल्लेख किया गया है।
- xxi. *** इस अंतिम जांच परिणाम में गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा भी गोपनीय समझी गई सूचना को निरूपित करता है।
- xxii. विश्लेषण के लिए प्राधिकारी द्वारा पी ओ आई के दौरान अभिभावी 1 अमरीकी डालर = 66.26 रुपए की औसत विनियम दर अपनाई गई है।

**ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु
घरेलू उद्योग का मत**

4. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. वर्तमान जांच के प्रायोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद ‘सोलर मॉड्यूल के लिए एथिलीन विनाइल एसीटेट (ई वी ए) शीट’ है। यह सोलर पी वी माड्यूल्स (फोटोवोल्टेक) के विनिर्माण में प्रयुक्त पॉलीमर आधारित संघटक है। ई वी ए शीट को आसंजन (अधेशन) और कुशनिंग कार्य को निष्पादित करने वाले सौर पी वी कोशिकाओं के एनकैप्सुलेशन के लिए प्रयुक्त किया जाता है। यह उन अनिवार्य संघटकों में से एक है जो ग्लास, सैल और बैकशीट को एकीकृत रखता है और अपनी पूर्ण सेवा अवधि के दौरान मैकेनिकली रूप से मॉड्यूल का समर्थन करता है।
- ii. ई वी ए शीट एक्सट्रूजन प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए बनाई गई प्लास्टिक शीटिंग और फिल्मों की श्रेणी में आती है। यह एक मुख्य रूप से टेबूलर या आटोक्लेव प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए पालीथलीन, पॉलीमराइज्ड की एक कोपालीमर, थर्मोप्लास्टिक सामग्री है।
- iii. याचिकाकर्ता मॉड्यूल विनिर्माताओं की जरूरत के अनुसार सभी प्रकार की चौड़ाई और मोटाई में ई वी ए शीटों का उत्पादन करता है।

- iv. विचाराधीन उत्पाद अध्याय 39 के तहत वर्गीकृत है और एच एस कोड 3901, 30, 3920, 10, 3920 62, 3920 99 और 3921 90 के तहत आयातित है। हालांकि, अन्य एस एच कोड के अंतर्गत भी आयात किए जा रहे हैं।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के मत

5. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. थाईलैण्ड से प्रत्युत्तर देने वलो निर्यातक ने कहा है कि थाईलैण्ड मार्केट में कंपनी द्वारा बेचे गए पी यू सी पोटेथियल इंड्यूस्ड डिग्रेडेशन (पी आई डी) रेजिजटेंट्स वस्तुएं हैं और भारत को निर्यातित वस्तुएं गैर-पी आई डी थीं। पी आई डी रेजिजटेंट्स वस्तुओं की लागत अधिक हैं और एप्पल टू एप्पल तुलना को सुनिश्चित करने के लिए एन वी और ई पी के बीच तुलना करते हुए इस कारक को समुचित रूप से समायोजित किए जाने की जरूरत है।
- ii. कुछ निर्यातकों ने प्रस्तुत किया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता ने कुछ मामलों में ई वी ए रेसिन को "पी यू सी" के रूप में विचारित किया है और इस प्रकार संबद्ध देशों से आयातों की कुल मात्रा को बढ़ा दिया है। संबंधित निर्यातकों ने प्राधिकारी से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि आयात संबंधी आंकड़ों को उचित रूप से छांटा गया है और अधिकारी के आकलन के लिए केवल ई वी ए शीटों के आयातों को शामिल किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6. जांच शुरुआत के समय, प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को "सोलर मॉड्यूल के लिए एथिलीन विनायल एसिटेट (ई वी ए)" शीट के रूप में परिभाषित किया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, विचाराधीन उत्पाद सोलर पी वी (फोटोवोल्टेक) मॉड्यूल के विनिर्माण में प्रयुक्त पोलिमेर आधारित संघटक हैं। ई वी ए शीट का प्रयोग अथेशन और कुशनिंग कार्यों का निष्पादन करने वाले सोलर पी वी सेल्स के एनकैप्सुलेशन के लिए किया जाता है। घरेलू उद्योग के अनुसार ई वी ए ऐसे अनिवार्य संघटकों में से एक है जो ग्लास, सेल्स और बैकशीट को एकीकृत रखते हैं और अपने पूर्ण सेवा काल के दौरान मॉड्यूल को मैकेनिकली सहारा देते हैं।
7. ई वी ए शीट्स प्लास्टिक शीट्स और एक्सट्रूजन प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए बनाई गई फिल्मों की श्रेणी में आती हैं। यह एक थर्मोप्लास्टिक सामग्री है जो मुख्यतः टेबुलर या आटोक्लेव प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए पोलिथलीन, पॉलीमराइज्ड का एक कोपोलीमेर है। विचाराधीन उत्पाद सामान्यतः एच एस कोड 3901 30, 3920 10, 3920 62, 3920 99 और 3921 90 के अंतर्गत आयातित किया जाता है। हालांकि, आयात अन्य एच एस कोड के तहत भी किए जा रहे हैं, इसलिए यह स्पष्ट किया जाता है कि एच एस कोड केवल सांकेतिक है और उत्पाद विवरण हर परिस्थिति में अभिभावी होगा।
8. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वे मॉड्यूल विनिर्माताओं द्वारा अपेक्षित सभी प्रकार की चौड़ाई और मोटाई की ई वी ए शीटों का उत्पादन कर सकते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने संबंध में घरेलू उद्योग के दावे का खंडन नहीं किया है।
9. जहां तक घरेलू और निर्यात बाजार में उनके द्वारा विक्रय किए गए उत्पाद प्रकारों के संबंध में थाईलैण्ड के निर्यातक द्वारा किए गए दावे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित निर्यातक के दावों की विस्तार से जांच की गई थी और यह पाया गया कि विभिन्न ग्रेडों के लागत निर्धारण में अंतर महत्वपूर्ण नहीं है। इसके अतिरिक्त दोनों ही ग्रेड प्रतिस्थापनीय और स्थानापन्न योग्य हैं। उसे ध्यान में रखते हुए,

प्राधिकारी ने निर्णय किया है कि वर्तमान मामले में, पी सी एन के आधार पर किसी उत्पाद विभेदीकरण की कोई जरूरत नहीं है।

10. जहां तक आयात आंकड़ों के वर्गीकरण के संबंध में निर्यातकों की चिंता संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत के पश्चात, डी जी सी आई एंड एस से आयात आंकड़ों की मांग की गई थी और प्राधिकारी ने विस्तार से आयात आंकड़ों की जांच की है। यह पाया गया कि कोरिया से संबंधित कुछ प्रविष्टियां ई वी ए रेजिन की थी जो विचाराधीन उत्पाद को उत्पादन करने के लिए कच्ची सामग्री है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद से ऐसी प्रविष्टियों को हटा दिया है और वर्तमान जांच में विश्लेषण के प्रयोजनार्थ वास्तविक आयात आंकड़ों पर विचार किया है।
11. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन एवं वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की शर्तों में तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं और संबद्ध देशों से आयातित वस्तुएं नियमों की शर्तों में समान वस्तु हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः, प्राधिकारी ने धारित किया है कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं ए डी नियमावली के अनुसरण में संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु हैं।

ग. घरेलू उद्योग और मत घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग के सीमा क्षेत्र और मत के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
 - i. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि केवल चार ऐसे उत्पादक थे जो जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर रहे थे अर्थात् मै. रिन्यू साइंस इंडिया प्राइवेट लिमि., मै. विशाखा रिन्यूएबल्स प्रा. लिमि., मै. अलाइड ग्लासिस प्रा. लिमि. और मै. ब्रिज फुट केयर।
 - ii. याचिका मै. रिन्यू साइंस इंडिया प्राइवेट लिमि. द्वारा दायर की गई है, जो भारत में संबद्ध वस्तुओं का सबसे बड़ा उत्पादक है और कुल घरेलू उत्पादन में लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा धारित करता है। याचिकाकर्ता ने मै. विशाखा रिन्यूएबल्स प्रा. लिमि. और मै. अलाइड ग्लासिस प्रा. लिमि. से समर्थन पत्र भी प्रस्तुत किए हैं जो संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक भी हैं। याचिकाकर्ता और समर्थक कुल घरेलू उत्पादन में 99 प्रतिशत से अधिक हिस्सा धारित करते हैं। भारत में संबद्ध वस्तुओं के चौथे उत्पादक अर्थात् ब्रिज फुट केयर ने भी अब स्पष्ट रूप से याचिका को अपना समर्थन प्रदान किया है। याचिका को अपना समर्थन व्यक्त करने वाले मै. ब्रिज फुट केयर से प्राप्त समर्थन पत्र अधिकारी को भेजा गया है।
 - iii. याचिकाकर्ता समर्थकों सहित देश में कुल घरेलू उत्पादन के 100 प्रतिशत के लिए उत्तरदायी हैं।
 - iv. याचिकाकर्ता ने पहले ही प्रमाणीकृत किया है कि नियम 2(ख) के अर्थों के भीतर याचिकाकर्ता या इसके किसी संबंधित पक्षकार द्वारा विचाराधीन उत्पाद का न तो आयात किया गया है न ही वे संबद्ध देश से निर्यातकों में से किसी से भी संबंधित हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, आवेदक याचिका दायर करने और पाटनरोधी कानूनों के तहत कानूनी संरक्षण की मांग करने के संबंध में भी आवेदक का मत स्पष्ट है।
 - v. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने याचिकाकर्ता के मत का खंडन किया क्योंकि घरेलू उद्योग का मत है कि याचिकाकर्ता "कैप्टिव खपत" के लिए संबद्ध वस्तुओं का एक विनिर्माता है। अपने अभिप्राय के

- समर्थन में, उन्होंने आस्ट्रेलिया और चीन से लो एश मैटालर्जिकल कोक (2016) के मामले में प्राधिकारी के जांच निष्कर्षों का आश्रय लिया है।
- vi. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि लो एश मैटालर्जिकल कोक मामले में प्रदत्त निर्णय पर हितबद्ध पक्षकारों का आश्रय पूरी से अनुचित है। घरेलू उद्योग के अनुसार, उस मामले में प्राधिकारी का कुछ उत्पादकों को घरेलू उद्योग के सीमा क्षेत्र से बाहर करने का निर्णय इस तथ्य को ध्यान में रखकर किया गया था कि उक्त उत्पादक केवल अपने उत्पादों का कैप्टिव रूप से स्थानांतरण कर रहे थे और उनका उत्पादन आयातित संबद्ध वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा में नहीं था। इस तथ्य पर कि बहुल रूप से प्रयुक्त उत्पादन के कुछ भाग को कैप्टिव रूप से प्रयोग किया जा रहा है, याचिकाकर्ता को एक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में न मानने के आधार के रूप में कभी भी विचार नहीं किया गया है।
- vii. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि हितबद्ध पक्षकार यह समझने में असफल रहा है कि कैप्टिव खपत के लिए भी वस्तुओं को उत्पादित करने के द्वारा, घरेलू उद्योग अपनी समग्र औसत लागतों को कम करने में समर्थ है। घरेलू उद्योग के अनुसार, कुछ क्षति मानदंडों में सुधार इस तथ्य के कारण है कि घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन लागत और अन्य लागतों को कम करने में समर्थ है।
- viii. घरेलू उद्योग ने यह भी कहा कि इसने पहले ही कैप्टिव उत्पादन के संबंध में विवरण प्रस्तुत किए हैं जिन्हें कृपया प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाए।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के मत

13. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग के मत और कार्यक्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
- i. ई वी ए शीटों के घरेलू उत्पादकों और उनके प्रतिनिधियों की संख्या को याचिका में सही रूप से नहीं इंगित किया गया है जो याचिका में अन्य सूचना की परिशुद्धता पर शंका उत्पन्न करता है। याचिका में, भारत में संबद्ध वस्तु के 5 उत्पादक हैं तथापि सारणी में भारतीय उत्पादकों के उत्पादन के हिस्से में याचिकाकर्ता सहित केवल 4 उत्पादक शामिल हैं। उत्पादन का हिस्सा गलत बताया प्रतीत होता है क्योंकि अप्रैल, 14 से मार्च 15 की अवधि के दौरान 4 कंपनियों का हिस्सा केवल 94 प्रतिशत था जबकि अप्रैल 16 से मार्च, 17 की अवधि के दौरान 4 कंपनियों का कुल हिस्सा 102 प्रतिशत है (100 प्रतिशत से अधिक)।
- ii. विसंगति के कारण, सूचना और आंकड़ों की परिशुद्धता पर शंकाओं के कारण याचिका को जांच प्राधिकारी की संवीक्षा पारित नहीं करनी चाहिए।
- iii. याचिकाकर्ता वह आधार अथवा साक्ष्य उपलब्ध कराने में असफल रहा है जिसके आधार पर यह वह भारत में कुल घरेलू उत्पादन का 70 प्रतिशत धारित करने की कल्पना करता है। याचिकाकर्ता यह प्रकल्पित करने के लिए आधार उपलब्ध कराने में भी असफल रहा है कि भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का कोई अन्य उत्पादक नहीं है।
- iv. इस संबंध में कोई स्पष्टता नहीं है कि क्यों याचिका घरेलू उत्पादकों के एक भाग की ओर से अर्थात् उन सब के संयुक्त रूप से आवेदन करने की बजाय एक घरेलू उत्पादक की ओर से दायर की गई।
- v. स्रोत तथा विश्वसनीयता के लिए असहयोगी घरेलू उत्पादक अर्थात् ब्रिज फुट केयर, के आंकड़ों को सावधानीपूर्वक संवीक्षा की जानी चाहिए।
- vi. आवेदक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में परिभाषित किए जाने के योग्य नहीं हैं क्योंकि यह लो एश मैटालर्जिकल कोक के मामले में प्राधिकारी के निर्णय के मद्देनजर कैप्टिव रूप से अपने उत्पादन का प्रयोग कर रहा है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी नोट करते हैं ए. डी. नियमावली का नियम 2(ख) निम्नानुसार कहता है :

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

15. याचिका को मै. रिन्यू साइंस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है, जो भारत में संबद्ध वस्तु का सबसे बड़ा उत्पादक है। याचिकाकर्ता ने मै. विशाखा रिन्युएबल्स प्रा. लिमि. और मै. एलाइड ग्लासिस प्रा. लिमि. से प्राप्त समर्थन पत्र भी प्रस्तुत किए हैं, जो भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादक हैं। आवेदकों ने संबद्ध देश से पी यू सी का आयात नहीं किया है और न ही वे संबद्ध देशों में पी यू सी के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से अथवा भारत में पी यू सी के किसी आयातक से संबंधित है। जांच शुरुआत के पश्चात्, याचिकाकर्ता ने चौथे घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. ब्रिज फुट केयर से समर्थन पत्र भी प्रस्तुत किया है। पांचवे उत्पादक मै. लुसेंट क्लीन एनर्जी लिमि. ने पी ओ आई के पश्चात् उत्पादन करना आरंभ किया है और इस जांच के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक नहीं है।

क्र. सं.	भारत में उत्पादक का नाम	पी ओ आई के दौरान मी. ट. में उत्पादक	हिस्सा
1	रिन्युसाइंस इण्डिया प्रा. लिमि.	2,945	70.9%
2	विशाखा रिन्युएबल्स प्रा. लिमि.	867	20.9%
3	एलाइड ग्लासिस प्रा. लिमि.	325	7.8%
4	ब्रिज फुट केयर	14	0.4%
	जोड़	4,151	100%

16. आंकड़ों और सूचना की जांच के पश्चात्, प्राधिकारी धारित करते हैं कि नियमावली के नियम 5(3) की शर्तों में जांच किए जाने पर वर्तमान याचिका दायर करने का याचिकाकर्ताओं का अभिप्राय स्पष्ट है। अकेले याचिकाकर्ता का हिस्सा ही कुल घरेलू उत्पाद के प्रमुख समानुपात को स्थापित करता है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता समर्थकों सहित देश में कुल घरेलू उत्पादन का 100 प्रतिशत के लिए उत्तरदायी है।
17. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा कैप्टिव खपत के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मुद्दे की विस्तार में जांच की गई थी और आवेदक के कैप्टिव खपत के संबंध में तथ्यों/ जानकारी का सत्यापन किया गया। यह नोट किया गया है कि याचिकाकर्ता की कैप्टिव खपत उनकी बाजार बिक्रियों की तुलना में लगभग नगण्य है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि लो एश मेटालर्जिकल कोक के मामले पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा भरोसा करना इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए अनुचित है कि उस मामले में प्राधिकारी का निर्णय उन उत्पादकों के संबंध में था जो केवल वस्तुओं के कैप्टिव उत्पादन में सम्मिलित थे और जिनका उत्पादन आयातित संबद्ध वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा में नहीं था।
18. प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादन में घरेलू उत्पादकों के कुल भाग के संबंध में घरेलू उद्योग की याचिका में त्रुटि के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर विचार किया है। प्राधिकारी ने प्राप्त तथा प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से सत्यापित सूचना के आधार पर ऐसे आंकड़ों में संशोधन किया है।

19. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, विस्तृत जांच के पश्चात् प्राधिकारी ने निर्णय दिया है कि याचिकाकर्ता कंपनियां नियम 2(ख) की शर्तों में पात्र घरेलू उद्योग है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता कंपनियों का भी वर्तमान याचिका को दायर करने के लिए नियम 5(3) की शर्तों में स्थायी मत विद्यमान है।

घ गोपनीयता

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

20. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. याचिकाकर्ता ने केवल उस सूचना को गोपनीय होने का दावा किया है जिसकी गोपनीयता की नियमों के अनुसार और प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार अनुमति दी गई है।
- ii. याचिकाकर्ता ने आवेदन पत्र का समुचित अगोपनीय रूपांतर दिया है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सूचना तक कोई विशिष्ट उदाहरण उल्लिखित नहीं कर पाया है जहां उसका गोपनीयता का दावा किया गया हो, जोकि नियमों के तहत औचित्यपूर्ण नहीं है।
- iii. भारत को निर्यातों की मात्रा जैसी सूचना घरेलू बाजार में बिक्री की कुल मात्रा, भारत को निर्यात के लिए उत्पादन, बिक्री, औसत कीमत, सूचकांक रूप में प्रदान की गई है क्योंकि वह सूचना व्यापार संबंधी सूचना है और इसीलिए प्रकृति में गोपनीय है।
- iv. किसी भी निर्यातक अथवा हितबद्ध पक्षकार ने अपने उत्तरों के अगोपनीय रूपांतर नहीं दिए हैं जोकि उनके गोपनीय रूपांतर का वास्तविक चित्र है। उन्होंने मात्रा संबंधी पूरी सूचना गोपनीय रखी है। उन्होंने गोपनीयता के दावे का कोई विवरण भी प्रदान नहीं किया है। इसके अतिरिक्त उत्तर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तरों के अगोपनीय रूपांतर दायर करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विशिष्ट दिशा निर्देशों के उल्लंघन में है। अतः घरेलू उद्योग प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि वे हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की अनदेखी करे और निर्यातकों के उत्तरों को रद्द भी करे तथा उन्हें अलग-अलग व्यवहार देने से इंकार करे।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

21. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोध निम्नलिखित हैं :-
- i. याचिका में अत्यधिक गोपनीयता है। याचिका में मात्रा संबंधी सूचना के संबंध में पूर्णतः कोई सूचना नहीं दी गई है।
 - ii. घरेलू उद्योग ने दावा किया है और इस अर्थ में अत्यधिक गोपनीयता की अनुमति दी गई है कि उन्होंने सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई है।
 - iii. घरेलू उद्योग ने अपनी लागत के पर्याप्त ब्यौरे भी नहीं दिए हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर से युक्त सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।

23. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके दावों के औचित्य तथा कानून के विशिष्ट प्रावधानों के संबंध में की गई थी, जैसा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्वचन किया गया है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक समझा गया गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।

ड. विविध अनुरोध

घरेलू उद्योग के विचार

24. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :

- i. देश में मांग-आपूर्ति अंतराल के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया दावा पूर्णतः आधारहीन है। भारत में संबद्ध सामानों की कुल मांग **10,396** मी.ट. है। अकेले घरेलू उद्योग की **6267** मी.ट. की क्षमता है। इसके अतिरिक्त अन्य भारतीय उत्पादकों, विशाखा रिन्युवेबल, एलाइड ग्लास और ब्रिज फूट केयर की क्रमशः **6267** मी.ट., **3133** मी.ट. और **1050** मी.ट. की क्षमता है। इसके अतिरिक्त अन्य घरेलू उत्पादक मै. लूसेंट क्लीन एनर्जी लि. ने भी दिसंबर **2017** में अपने प्रचालन शुरू कर दिए हैं। भारतीय उत्पादकों के पास देश में कुल मांग को पूरा करने की क्षमता है।
- ii. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के परिकलन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई धारणाएं आधारहीन हैं। हितबद्ध पक्षकार यह मानने में विफल रहे हैं कि जांच की शुरुआत के समय याचिकाकर्ता के पास सीमित सूचना उपलब्ध है।
- iii. घरेलू उद्योग ने वर्तमान मामले को दायर करने से पूर्व संबंधित देशों में संबद्ध सामानों की विद्यमान कीमतों के संबंध में सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया, जिसके प्रमाण आवेदन पत्र में दिए गए थे। तथापि, काफी खुलासे के बावजूद घरेलू उद्योग संबद्ध देशों में संबद्ध सामानों की कीमतें प्राप्त नहीं कर पाया।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

25. अन्य विविध मुद्दों के संबंध में वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. वर्तमान मामले में आयात देश में मांग-आपूर्ति के अंतराल के परिणामस्वरूप है। याचिका दर्शाती है कि याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित क्षमता 6267 मी.ट. की है और भारत में मांग जांच की अवधि के दौरान 10396 की रही है।
- ii. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने याचिका में निहित सूचना के सही होने के संबंध में मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि कुल घरेलू उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत जैसी कुछ सूचना सही प्रतीत नहीं होती और साक्ष्यों को पूरा नहीं करती और साक्ष्य तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5 के कानूनी मानदंडों को पूरा नहीं करती।

- iii. कुछ चीनी निर्यातकों द्वारा यह अनुरोध किया गया था कि अन्य संबद्ध देशों अर्थात् मलेशिया, सउदी अरब, दक्षिण कोरिया और थाइलैंड सहित संबद्ध देश चीन जन.गण. के आंकड़ों का संचयन वर्तमान मामले के तथ्यों में पूरी तरह अनुचित है। इस संबंध में निर्यातकों ने अनुरोध किया कि चीन जन.गण. से आयातों में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और अन्य संबद्ध देशों से आयात की स्थितियां पूर्णतः अतुलनीय हैं और उनका संचयन नहीं किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. जहां तक देश में मांग आपूर्ति अंतराल के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध किया गया है और अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा दायर किए गए समर्थन पत्र से यह स्पष्ट है कि देश में कुल मांग को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त क्षमता है। किसी भी दशा में पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन आयातों को रोकना नहीं है बल्कि मात्र यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आयात उचित कीमतों पर आते हैं और घरेलू उत्पादकों को एक उचित व्यापारिक क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया भी जाता है तो आयात फिर भी आ सकते हैं बशर्ते कि उनकी उचित कीमत हो।
27. याचिका में सूचना के सही होने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावों की विस्तार में जांच की गई और प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए मांगी गई सूचना का प्राधिकारी ने विधिवत सत्यापन किया है। जहां तक याचिका में निहित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत संबंधी सूचना का संबंध है, प्राधिकारी घरेलू उद्योग के अनुरोध में औचित्य पाते हैं कि जांच की शुरुआत के समय याचिकाकर्ता के पास सीमित सूचना उपलब्ध है। घरेलू उद्योग यह दर्शाने में सक्षम रहा है कि उन्होंने संबंधित देशों में विद्यमान कीमतें प्राप्त करने के प्रयास किए हैं। इसके अतिरिक्त, वर्तमान जांच परिणाम में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत संबंधित देशों के उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा दायर वास्तविक आंकड़ों का प्रयोग करके परिकलित किए गए हैं।
28. जहां तक अन्य संबद्ध देशों के साथ चीन जन.गण. के आंकड़ों के संचयी मूल्यांकन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में उपयुक्त है। यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि चीनी आयातों और समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियां और अन्य संबद्ध देशों के आयातों तथा समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियां किसी तरह भिन्न थीं।

ड. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

घरेलू उद्योग के विचार

29. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार, चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना है जब तक कि संबंधित फर्म/उत्पादक/निर्यातक पैरा 8(3) में वर्णित मानदंडों के आधार पर उपर्युक्त अवधारणा का खंडन न कर पाए। यह पूर्व मामलों में प्राधिकारी द्वारा और अन्य देशों में जांचकर्ता प्राधिकारी द्वारा ली गई स्थिति के भी अनुरूप है। चीनी उत्पादकों की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विश्वास नहीं किया जा सकता। घरेलू उद्योग ने बार-बार अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. को निम्नलिखित कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए :

- क. किसी भी चीन उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है और एम ई टी व्यवहार के लिए अपेक्षित प्रश्नावली दायर नहीं की है। बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर तक नहीं किया जा सकता जब तक उत्तरदाता चीनी निर्यातक यह सिद्ध न कर लें कि प्रमुख इनपुट की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य दर्शाती हैं।
- ख. ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार रद्द किया जाना चाहिए जहां चीनी निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ हों कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों (आई ए एस) के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुपालन पर जोर देने की आवश्यकता राजस्व एवं खर्चों, वार्षिक रिपोर्ट में व्यक्त परिसंपत्तियों एवं देयताओं की परिशुद्धता एवं पर्याप्तता सुनिश्चित करना है।
- ग. बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक उत्तरदाता चीनी निर्यातक नियमों के तहत निर्धारित प्रत्येक मानदंड के संबंध में परीक्षण पास नहीं करते। इसके विपरीत एक मानदंड की वास्तविक क्षति संबंधी मौजूदगी की जांच करते समय उस क्षति को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। दूसरे शब्दों में जहां एक मानदंड क्षति की मौजूदगी सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है, वहां एक मानदंड पास करने की विफलता बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर के दावे को रद्द करने के लिए पर्याप्त है।
- घ. यह सिद्ध करना प्राधिकारी के लिए नहीं है कि उत्तरदाता कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था परिवेश के तहत प्रचालन कर रही हैं और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार की हकदार हैं। बल्कि यह सिद्ध करना उत्तरदाता चीनी निर्यातकों का काम है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत प्रचालन कर रहे हैं।
- ङ. बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक उत्तरदाता कंपनी और उसका समूह समग्र रूप से दावा न करे। यदि समूह के एक भाग वाली एक या अधिक कंपनियों ने उत्तर दायर नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर रद्द किया जाना चाहिए।
- च. यह नोट किया गया है कि ऐसे मामले में चीन के लिए सामान्य मूल्य उपर्युक्त तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर नियम 8(2) के प्रावधानों को हटाए बिना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार ही निर्धारित किया जा सकता है।
- छ. इस प्रकार, चीन में सामान्य मूल्य (क) भारत में तीसरे देश के निर्यात कीमत (ख) भारत में बिक्री कीमत और भारत की उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित की जा सकती है जिसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च तथा लाभ विधिवत समायोजित हैं। यह भी अनुरोध है कि चीन की सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक विकल्प उपलब्ध हैं। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया "किसी अन्य विकल्प" पर विचार करे क्योंकि ये तभी लागू किया जाना अपेक्षित होता है जब कानून के तहत सूचीबद्ध आधार लागू न किया जा सकता हो।
- ज. अनुबंध-1 का पैरा 8(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ता। तथापि, यह पैरा 8(3) के प्रावधान के तहत चीनी फर्मों द्वारा खंडन के लिए खुला है।
- झ. निर्दिष्ट प्राधिकारी संविधि का एक सृजन है और उसे संविधि के विशिष्ट प्रावधानों के तहत उसे विशेष रूप से सौंपे गए दायित्वों और अधिकारों का निष्पादन करना होता है। अतः जब तक पैरा 8 के प्रावधानों में संशोधन नहीं किया जाता, तब तक प्राधिकारी के लिए यह स्पष्ट है कि वह पैरा 8 में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार

कार्य करे और चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने ।

- ट. चीनी अर्थव्यवस्था के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सरकार के काफी सतत हस्तक्षेप से चीन का पदनाम एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में बनाए रखने की आवश्यकता है । यह एक ज्ञात तथ्य है कि चीन की अर्थव्यवस्था सरकारी बलों द्वारा नियंत्रित होती है और देश की अर्थव्यवस्था में सरकारी मशीनरी का काफी हस्तक्षेप और नियंत्रण है । डब्ल्यू टी ओ में चीनी अभिगम के तहत बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान करना स्वतः नहीं है बल्कि अभिगम नयाचार में उल्लिखित पूर्व शर्तों के चीन के अनुपालन पर आकस्मिक है ।
- ठ. सउदी अरब के लिए उत्तरदाता उत्पादक/निर्यातक ने स्वीकार किया है कि उन्होंने सउदी अरब में उनके घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद नहीं बेचा है । अतः उपर्युक्त निर्यातक का उत्पादन मूल्य निर्मित किया जाना है ।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

30. संबंधित उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों ने याचिकाकर्ता द्वारा बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों के लिए उसे विधिवत समायोजित करते हुए प्रमुख कच्ची सामग्री और युटीलिटियों की कीमत लेकर अपनी लागत को आधार बनाकर प्रयोग करते हुए याचिका में सामान्य मूल्य के निर्माण पर आपत्ति की है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

31. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को निर्धारित प्रपत्र और तरीके में सूचना प्रदान करने की सलाह देते हुए उन्हें प्रश्नावली भेजी । संबद्ध देशों के कई उत्पादकों और निर्यातकों में निर्धारित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं ।
32. घरेलू उद्योग द्वारा अपने आवेदन पत्र में यह आरोप लगाया गया था कि चीनी कंपनियां निरंतर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन करती हैं क्योंकि विनिमय दर प्रबंधन सहित विभिन्न क्रियाकलापों में काफी सरकारी हस्तक्षेप हुआ है । घरेलू उद्योग के दावों के आधार पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दी कि वे जांच की शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और यह दर्शाने के लिए उनकी बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर के निर्धारण के लिए संगत सूचना प्रदान करें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत प्रचालन कर रहे हैं । प्राधिकारी ने इस संबंध में पर्याप्त सूचना प्रदान करने के लिए चीन के सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी । प्राधिकारी ने चीन सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वे अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सभी संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दें ।
33. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन किया जा सकता है, यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में निर्धारित मानदंडों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करें और इसके विपरीत तथ्य सिद्ध करें । चीन जन.गण. से संबद्ध सामानों की सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पूरक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखितानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :

- i. कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश सहित कीमतों, लागतों और इनपुट के संबंध में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों के निर्णय मांग और आपूर्ति दर्शाने वाले बाजार संकेतों के उत्तर में तथा इस संबंध में काफी सरकारी हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और क्या प्रमुख इनपुट की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य दर्शाती है ;
- ii. इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से लिए गए काफी ह्रास, विशेष रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में अध्यधीन है ;
- iii. ये फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन होती हैं जो कानूनी सुनिश्चितता और फर्मों के प्रचालन के लिए स्थिरता की गारंटी देती है और
- iv. विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

34. प्राधिकारी इस तथ्य का संज्ञान लेते हैं कि चीन जन गण के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने पूरक प्रश्नावली का उत्तर दायर हीं किया जिसने उनसे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8 में उल्लिखित अवधारणाओं का खंडन करने की मांग की गई थी । अतः प्राधिकारी यह मानने का विचार करते हैं कि उत्तरदाता चीनी उत्पादक/निर्यातक ने सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य देने में विफल रहे हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं । इन परिस्थितियों में प्राधिकारी को इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार कार्यवाही करनी है ।
35. इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सउदी अरब के उत्तरदाता उत्पादक ने अपने घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री नहीं की है और तीसरे देशों को निर्यात से संबंधित सूचना नहीं दी है । तथापि, सउदी अरब के उत्तरदाता उत्पादक ने उल्लेख किया है कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन जांच की अवधि के केवल कुछ दिनों के लिए किया गया और यह कि उनकी उत्पादन लागत विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए वाणिज्यिक लागत नहीं दर्शाती और इसीलिए उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया कि नियमावली के तहत उपलब्ध सामान्य मूल्य के निर्धारण की अन्य वैकल्पिक पद्धति के अनुसार, उसका सामान्य मूल्य निर्मित करे । जांच और उचित विचार-विमर्श के बाद प्राधिकारी उपर्युक्त उत्पादक के लिए नियमावली के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कार्यवाही करने का प्रस्ताव करते हैं ।
36. मलेशिया के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है अतः प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार उसका सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्मित करने की कार्यवाही करने का निर्णय लिया है ।
37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्री संबंधी पूरे आंकड़ों अथवा तीसरे देश की निर्यात बिक्री तथा उत्पादन लागत और तीसरे देश के उन उत्पादकों के सहयोग के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है। इन बाजारों में विद्यमान कीमतों और लागतों के संबंध में ऐसी कोई सूचना न तो आवेदक द्वारा दी गई है और न ही उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दी गई है, न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना प्राप्त की गई है, न ही उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों ने इस स्तर पर उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया है । अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी जहां भी आवश्यक हो, नियमावली के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण करने की कार्रवाई करते हैं ।

चीन जन.गण., सउदी अरब और मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य

38. प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण., सउदी अरब और मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य निर्मित करने का प्रस्ताव करते हैं। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव है जिसमें प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत और लाभ को शामिल करके विधिवत समायोजन करने पर विचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निर्मित सामान्य मूल्य उत्तरदाता निर्यातकों के निर्यात आंकड़ों के आधार पर भारित औसत परिवर्तन कारक (मी.ट. में वर्गमीटर) में विधिवत समायोजित किया गया है। निर्मित सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य

मै. टीपीएल ऑल सीजन्स कं. लि., थाइलैंड

39. निर्यातक द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है। वह पूरी और सही पाई गई है। उत्पादन लागत उत्पादक की सत्यापित सूचना के आधार पर निर्धारित की गई थी और घरेलू बिक्री लेनदेनों की जांच की गई थी। घरेलू बिक्री की जांच की गई और पाया गया कि केवल 33 प्रतिशत बिक्री लाभप्रद है। तदनुसार, केवल उन लाभप्रद लेनदेनों पर उसके सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए विचार किया गया था। बिक्रियों में उत्पादक द्वारा किए गए दावे के अनुसार परिवहन, ऋण लागत, सत्यापन के बाद बीमा के लिए समायोजन दिए गए थे। सामान्य मूल्य निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव है।

निर्यात कीमत

I. चीन जन.गण.

मै. चांगझोऊ बिबैटर सेंचुरी फिल्म टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन

40. मै. चांगझोऊ बिबैटर सेंचुरी फिल्म टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन. ने अपने को चीन जन गण से संबद्ध सामानों के निर्यातक और उत्पादक होने का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। उपर्युक्त निर्यातक द्वारा दायर सूचना से यह नोट किया जाता है कि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान भारत को सीधे ही संबद्ध सामानों की बहुत कम मात्रा का निर्यात किया है और अधिकतर निर्यात संबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् मै. बीबैटर इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लि0, चीन के माध्यम से किए हैं।
41. प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की जांच की और नोट किया कि उत्तर भारत को सीधे ही अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निर्यात की गई पूरी मात्रा के लिए दायर किया गया है। उत्पादक द्वारा दिए गए निर्यात के बयौरों पर अलग-अलग पाटन और क्षति मार्जिन प्रदान करने के लिए कारखानागत निर्यात कीमत निर्धारित करने हेतु विचार किया गया है। निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, विदेशी भाड़ा, बैंक प्रभार, ऋण लागत के निमित्त समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद वह स्वीकार किया गया है। संबंधित निर्यातक के एस जी ए और लाभ के लिए निवल निर्यात कीमत भी समायोजित की गई है। प्रस्तावित निर्मित सामान्य मूल्य और भारित औसत निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार है।

मै. हांगझोऊ फर्स्ट एप्लाइड मैटेरियल कं. लि., चीन

42. मै. हांगझोऊ फर्स्ट एप्लाइड मैटेरियल कं. लि., चीन जन गण ने अपने को चीन जन गण से संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक होने का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। उत्तर की जांच से यह बात सामने आती है कि उनका मै. सुनझोऊ फर्स्ट पी वी मैटेरियल कं. लि. समूह में कोई दूसरा

संबंधित उत्पादक है जिसने भी विस्तृत प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। उपर्युक्त निर्यातक द्वारा दायर सूचनाप से यह नोट किया जाता है कि उन्होंने सीधे ही और अपनी संबंधित कंपनी मै. सुनझोऊ फर्स्ट पी वी मेटेरियल कं. लि. के माध्यम से घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों की बिक्री की है। इसके अतिरिक्त मै. हांगझोऊ फर्स्ट एप्लाइड मेटेरियल कं. लि. ने भारत को सीधे ही संबद्ध सामानों का बहुत कम मात्रा में निर्यात किया है और ज्यादातर असंबद्ध कंपनी अर्थात् मै0 फर्स्ट ग्लोबल बिजनेस कं. लि. चीन के माध्यम से किया है।

43. प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की जांच की और नोट किया कि उत्तर भारत को सीधे ही अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निर्यात की गई पूरी मात्रा के लिए दायर किया गया है। उत्पादक द्वारा दिए गए निर्यात के बयारों पर अलग-अलग पाटन और क्षति मार्जिन प्रदान करने के लिए कारखानागत निर्यात कीमत निर्धारित करने हेतु विचार किया गया है। निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, विदेशी भाड़ा, बैंक प्रभार, ऋण लागत के निमित्त समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद वह स्वीकार किया गया है। निर्मित सामान्य मूल्य और भारित औसत निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार है।

मै. चांगझोऊ स्वेस्क पी वी न्यू मेटेरियल कं. लि.

44. मै. चांगझोऊ स्वेस्क पी वी न्यू मेटेरियल कं. लि. ने चीन जन गण से संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक होने का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। दायर सूचना से उन्होंने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध सामानों का सीधे ही निर्यात किया है।
45. प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की जांच की है और नोट किया कि उत्तर भारत को निर्यातित पूरी मात्रा के लिए दायर किया गया है। उत्पादक द्वारा दिए गए निर्यात बयारों पर अलग-अलग पाटन एवं क्षति मार्जिन प्रदान करने के लिए कारखानागत निर्यात कीमत निर्धारित करने हेतु विचार किया गया है। निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, विदेशी भाड़ा, बैंक प्रभार, ऋण के निर्मित समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद वह स्वीकार किया गया है। निर्मित सामान्य मूल्य और भारित औसत निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार है।

II. सउदी अरब

मै. सउदी स्पेशलाइज्ड कं. लि.

46. मै. सउदी स्पेशलाइज्ड कं. लि. ने सउदी अरब से संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक होने का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। दायर सूचना से उन्होंने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध सामानों का सीधे ही निर्यात किया है।
47. प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की जांच की है और नोट किया कि उत्तर भारत को निर्यातित पूरी मात्रा के लिए दायर किया गया है। उत्पादक द्वारा दिए गए निर्यात बयारों पर अलग-अलग पाटन एवं क्षति मार्जिन प्रदान करने के लिए कारखानागत निर्यात कीमत निर्धारित करने हेतु विचार किया गया है। निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, विदेशी भाड़ा, बैंक प्रभार, ऋण लागत के निमित्त समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद वह स्वीकार किया गया है। निर्मित सामान्य मूल्य और भारित औसत निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार है।

क्र.सं.	उत्पादक	एनवी/सीएनवी	एनईपी	पाटन मार्जिन		
		अम.डॉ./मी.ट.	अम.डॉ./मी.ट.	अम.डॉ./मी.ट.	%	रेंज
चीन						
1	मै. चांगझोऊ बीबैटर सैन्चुरी फिल्म टेक्नोलॉजीज कं. लि.	***	***	***	***	15-25
2	मै. हांगझोऊ फर्स्ट एलइड मेटेरियल कं. लि./मै. हांगझोऊ फर्स्ट एप्लाइड मेटेरियल कं. लि./मै. सुझेऊ फर्स्ट पीवी मेटेरियल कं. लि.	***	***	***	***	25-35
3	मै. चांगझोऊ स्वेस्क पी वी न्यू मेटेरियल कं. लि.	***	***	***	***	25-35
4	कोई और	***	***	***	***	45-55
सउदी अरब						

क्र.सं.	उत्पादक	एनवी/सीएनवी	एनईपी	पाटन मार्जिन		
5	मै. सउदी स्पेशलाइज्ड प्रोडक्ट्स कंपनी	***	***	***	***	75-85
6	कोई और	***	***	***	***	95-105
थाइलैंड						
7	मै. टीपीआई ऑल सीजन्स कं. लि.	***	***	***	***	55-65
8	कोई और	***	***	***	***	85-95
मलेशिया						
9	कोई	***	1829	***	***	45-55

52. यह देखा जाता है कि संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन सभी संबद्ध देशों से न्यूनतम से अधिक है।

छ. क्षति मूल्यांकन की पद्धति और क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए अनुरोध

घरेलू उद्योग के विचार

53. वर्तमान जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के द्वारा क्षति संबंधी किए गए अनुरोध और प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक माने गए निवेदन निम्नलिखित हैं :

- विचाराधीन उत्पाद के आयातों ने पी ओ आई में हुई पर्याप्त बढ़ोतरी सहित वर्षों से बढ़ोतरी को दर्शाया है।
- मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा सार्थक है। आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्सों में काफी गिरावट हुई है। यह संबद्ध देशों से काफी आयात होने की वजह से है।
- घरेलू उद्योग की कीमतें उन कीमतों के प्रभाव को दर्शाती हैं जो घरेलू बाजार में आयातकर्ताओं के द्वारा प्रदान की जा रही है।
- कम कीमत पर बिक्री और कीमत कटौती सकारात्मक और पर्याप्त है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग कीमत संबंधी दबाव से जूझ रहा है क्योंकि वे उचित अवधि तक अपनी कीमतों में बढ़ोतरी करने में समर्थ नहीं हैं। इसका मुख्य कारण संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा अधिक होना है, वह भी पाटित और क्षतिरहित कीमतों पर।
- घरेलू उद्योग का निष्पादन लाभों, निवेशों पर लाभ और नकद लाभों के संदर्भ में बहुत ही यथेष्ट सीमा तक धीरे-धीरे विकृत हो गया है।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी का कारण संबद्ध देशों से अलाभकारी कीमतों पर आयात मात्रा में पर्याप्त बढ़ोतरी होना था।
- विक्रय मूल्य में कमी उत्पादन की लागत में हुई कमी से अधिक थी और इस प्रकार पाटित आयात घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी प्रतिबंध का प्रभाव पैदा कर रहे हैं।
- घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में काफी क्षति हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को जारी क्षति से खतरा है और वर्तमान स्थिति जारी रहनी चाहिए।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

54. वर्तमान जांच की अवधि के दौरान विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा क्षति संबंधी किए गए निवेदन और प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :
- i. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और इसने क्षति जांच अवधि के दौरान सुधार किया है।
 - ii. याचिकाकर्त्ताओं के द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों से वे कथित पाटित आयातों की वजह से किसी क्षति को दर्शाने में असमर्थ रहे हैं।
 - iii. याचिकाकर्त्ताओं ने वर्तमान मामले में क्षति के संचयी मूल्यांकन की पद्धति को अपनाया है जो वर्तमान परिस्थितियों में उचित नहीं है।
 - iv. आवेदकों के द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण आयातों की पर्याप्त बढ़ोतरी का पूर्णतः अथवा सापेक्ष रूप से समर्थन नहीं कर सके।
 - v. घरेलू उद्योग को हुई कथित कोई क्षति संबद्ध देशों से हुए आयातों के अलावा अन्य कारकों से हुई है।
 - vi. घरेलू उद्योग को क्षति का कारण यह है कि एस एस पी एल के अधिग्रहण की वजह से वर्ष 2015 में याचिकाकर्त्ता को काफी हानियां हुई थीं जो पर्याप्त थीं तथा जिसके याचिकाकर्त्ताओं के मापदंड उस सीमा तक प्रभावित हुए कि इसे दर्शाने के लिए लाभ हानि संबंधी आंकड़ों को समायोजित करना पड़ा था।

प्राधिकारी के द्वारा जांच

55. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iii) और (iv) के अनुसार जांच करनी होगी।
56. प्राधिकारी के द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण में वर्तमान जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए विभिन्न निवेदनों तथा प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक माने गए निवेदनों का नीचे समाधान दिया गया है।
57. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के अनुसार लाभप्रद कीमत की और डी जी ए डी की पद्धतियां सुनिश्चित की थीं।
58. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने अपनी नियमावली के अनुबंध II के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले ऐसे सूचकों के बारे में विचार किया है, वे हैं – उत्पादक, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, मात्रा और पाटन मार्जिन आदि। इसके अतिरिक्त, ईवीए रेजिन्स के संबंधित कोरिया जन.गण. से आयातों पर क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए विचार नहीं किया गया है क्योंकि कोरिया जन.गण. को न्यूनतम आयातों के कारण संबद्ध देशों के क्षेत्र से अलग कर दिया गया है।

I. मांग का मूल्यांकन

59. इस प्रयोजन के लिए, भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग अथवा स्पष्ट खपत को सभी भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के अनुसार सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में लिया जाता है। आयात संबंधी आंकड़ों की जांच यह दर्शाती थी कि कुछ लेन देन कि. ग्रा. की अपेक्षा यूनिटों में थे जिनको घरेलू उद्योग के द्वारा प्रयोग किए गए परिवर्तन कारक (विधिवत सत्यापित) को लागू करके मी. ट.. में विधिवत बदला गया था।

क्र. सं.	वर्ष	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
1	संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	594	1,025	4,674	6,367
2	अन्य देशों से आयात	मी. ट.	136	651	216	86
3 (1+2)	कुल आयात	मी. ट.	730	1676	4890	6453
4	बिक्रियां – घरेलू उद्योग	मी. ट.	1,702	2,600	2,682	2,671
5	बिक्रिया – अन्य भारतीय उत्पादक	मी. ट.	79	137	238	1,095
6 (4+5)	भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	मी. ट.	1,781	2,737	2,920	3,766
7	कैप्टिव खपत – घरेलू उद्योग	मी. ट.	0	73	201	332
8 (3+6+7)	कुल मांग	मी. ट.	2,511	4,486	8,011	10,551
9	उत्पादन – घरेलू उद्योग	मी. ट.	1,734	3,168	2,901	2,945
10 (1÷8)	मांग में संबद्ध देशों का प्रतिशत हिस्सा	%	24%	23%	58%	60%
11 (1÷9)	घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों का प्रतिशत हिस्सा	%	34%	32%	161%	216%

60. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में कुल मांग पी ओ आई समेत संपूर्ण क्षति अवधि में समनुरूप काफी बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों ने देश में इस प्रकार बढ़ी मांग के अधिकांश भाग पर कब्जा कर लिया है। यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि कुल मांग में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2014-15 में 24 प्रतिशत से बढ़कर पी ओ आई में 60 प्रतिशत हो गया है।

II. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

आयात मात्रा और आयातों में बाजार हिस्सा

61. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना होता है कि क्या पाटित आयातों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी पूर्णतः अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष में हुई है। क्षति विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त हुए आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा के बारे में नीचे दिए गए अनुसार विश्लेषण किया गया है :

क्र. सं.	वर्ष	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पीओआई
1	चीन जन. गणराज्य	मी. ट.	386	634	3,807	5,434
2	मलेशिया	मी. ट.	73	125	262	204
3	सउदी अरब	मी. ट.	-	86	317	412
4	थाइलैण्ड	मी. ट.	135	179	288	317
5 (1 से 4)	संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	594	1,024	4,674	6,367
6	प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	172	787	1,072
7	अन्य देशों से आयात	मी.	136	651	216	86

		ट. मी. ट.				
8 (5+7)	कुल आयात		730	1675	4890	6453
9 (5+8)	आयातों में संबद्ध देशों का प्रतिशत हिस्सा	%	81%	61%	96%	99%

62. पी ओ आई के दौरान कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 99 प्रतिशत के आस पास है। उपर्युक्त सारणी से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पी ओ आई में पूर्णतः और उत्पादन एवं खपत के संदर्भ में काफी बढ़ोतरी हुई है।

III. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

63. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में यह विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में कथित पाटित आयातों से कीमतों में काफी कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को दबाने अथवा बढ़ती हुई कीमतों को रोकने के लिए अन्यथा है जो सामान्य अवधि में अन्यथा हुई होंगी। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव के बारे में कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास अथवा कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है।

क. कीमत कटौती

64. क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, इसका निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग ने पी ओ आई की कीमत कटौती के बारे में आयातों के पहुंच मूल्य की घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के साथ गणना की थी। प्रतिक्रिया देने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों से प्राप्त हुए विस्तृत प्रत्युत्तरों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने कीमत कटौती की गणना करने के लिए यथा उपलब्ध ऐसे प्रत्युत्तरों अथवा डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों से पहुंच मूल्य को ध्यान में रखा है।

क्र. सं.	विवरण	इकाई	चीन	मलेशिया	सउदी अरब	थाईलैण्ड
1	संबद्ध देश से आयात	मी. ट.	543 4	204	412	317
2	आयातों का पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
3	डी आई द्वारा घरेलू बिक्रियों की निवल बिक्री प्राप्ति	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
4 (3-2)	कीमत कटौती	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
5 (4÷2)	कीमत कटौती	%	***	***	***	***
6	कीमत कटौती	रेंज	5-15	15-25	20-30	5-15

65. उपर्युक्त सारणी यह साफ साफ दर्शाती है कि प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों का पहुंच मूल्य भारत में घरेलू उद्योग के निवल विक्रय मूल्य से कम है और इस प्रकार काफी सकारात्मक कीमत कटौती हुई है।

ख. कम कीमत पर बिक्री

66. घरेलू उद्योग की कम कीमत पर बिक्री के बारे में आयातों के पहुंच मूल्य की एन आई पी से तुलना करके जांच की गई है।

क्र. सं.	विवरण	इकाई	चीन	मलेशिया	सउदी अरब	थाईलैण्ड
1	संबद्ध देश से आयात	मी. ट.	5,434	204	412	317
2	आयातों का पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
3	क्षतिरहित कीमत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
4 (3-2)	कीमत कटौती	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
5 (4÷2)	कीमत कटौती	%	***	***	***	***
6	कीमत कटौती	रेंज	35-45	55-65	70-80	45-55

67. यह नोट किया है कि संबद्ध देशों से आयात एन आई पी से काफी कम कीमत पर पहुंच रहे हैं और इस प्रकार काफी सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री है।

ग. कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

68. क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों पर प्रतिबंध अथवा दबाव पड़ रहा है और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी हद तक कीमतों को प्रतिबंधित करने के लिए है अथवा बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए है, जो सामान्य अवधि के दौरान अन्यथा हुई होंगी, इसका निर्धारण करने के लिए याचिकाकर्ता ने बिक्रियों की लागत और विक्रय मूल्य के आंकड़े दिए हैं और क्षति की अवधि के दौरान लागतों एवं कीमतों में परिवर्तन के बारे में विचार किया है, जो नीचे दिया है :

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
1	चीन से पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
2	मलेशिया से पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
3	सउदी अरब से पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
4	थाईलैण्ड से पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
5	संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	99	91	76
7	निवल बिक्री प्राप्ति	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	97	88	84
9	बिक्रियों की लागत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	89	90	79

69. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और निवल बिक्री प्राप्ति में आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पी ओ आई के दौरान कमी हो रही है। तथापि, पी ओ आई समेत संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान निवल बिक्री प्राप्ति लागत से कम रही है। यह नोट किया है कि पी ओ आई के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के एन एस आर से काफी कम रहा है। घरेलू उद्योग कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के सशक्त प्रभाव को दर्शाते हुए संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियों की लागत की वसूली नहीं कर सका है।

IV. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

70. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 11 में यह अपेक्षा होती है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच करना शामिल होगा। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के बारे में पाटनरोधी नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों तथा उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना शामिल होगा, इनमें बिक्रियों, लाभों, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेशों पर लाभ, अथवा क्षमता के उपयोग में वास्तविक एवं संभावित कमी; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक; पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं।

71. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न, क्षति मानदंडों के बारे में इसमें नीचे विचार किया है :

क. बाजार हिस्सा

72. आयातों, घरेलू बिक्रियों और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का ब्यौरा नीचे दिए अनुसार है :

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
1	घरेलू बिक्रियां – आवेदक	मी. ट.	1,702	2,600	2,682	2,671
2	कैप्टिव खपत – आवेक		0	73	201	332
3	घरेलू बिक्रियां – अन्य	मी. ट.	79	137	238	1,095
4	संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	594	1,025	4,674	6,367
5	अन्य देशों से आयात	मी. ट.	136	651	216	86
6 (1 से 5)	कुल मांग	मी. ट.	2,511	4,486	8,011	10,551
7	मांग में बाजार हिस्सा					
7क	कैप्टिव समेत घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	68%	60%	36%	28%
7ख	भारतीय उत्पादकों की	%	71%	63%	39%	39%
7ग	संबद्ध देशों से आयातों की	%	24%	23%	59%	61%
7घ	अन्य देशों से आयातों की	%	5%	14%	2%	1%

73. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में आधार वर्ष से लेकर पी ओ आई में पूर्णतः और सापेक्ष रूप से काफी बढ़ोतरी हुई है। भारत में कुल मांग ने समनुरूप और पर्याप्त बढ़ोतरी को दर्शाया है, तथापि, कुल मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष से लेकर पी ओ आई के दौरान काफी कमी हुई है। साथ

ही, आयातों के बाजार हिस्से में इसी अवधि के दौरान काफी बढ़ोतरी देखी गई है। देश में मांग में हुई बढ़ोतरी पर भारतीय उत्पादकों की तुलना में बढ़ते हुए आयातों ने काफी हद तक कब्जा कर लिया गया है।

ख. लाभप्रदता

74. घरेलू उद्योग ने बताया कि विक्रय मूल्य की भांति पी ओ आई के दौरान बिक्रियों की लागत में कमी आयी है। यह देखा गया है कि विक्रय मूल्य में काफी गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई और यह घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत से समनुरूप से कम रही, परिणामस्वरूप संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान लगातार हानियां हुईं। घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि उनको निर्यातकों के द्वारा प्रदान की गई पहुंच के बाद की छूट कीमतों के बराबर रहने को मजबूर किया गया था।

विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
बिक्रियों की लागत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	89	90	79
विक्रय मूल्य	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	97	88	84
लाभ/ हानि	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	(100)	(27)	(113)	(39)

75. घरेलू उद्योग के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना यह दर्शाती है कि पी ओ आई समेत संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान लगातार हानियां हुई हैं।

ग. निवेश पर लाभ

76. घरेलू उद्योग ने सूचना प्रस्तुत की है जो यह दर्शाती है कि पी ओ आई समेत संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान निवेश पर लाभ नकारात्मक रहा है।

विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
आर ओ आई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(10)	(265)	(94)

घ. उत्पादन और क्षमता उपयोग

77. यह बताया गया है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पी ओ आई के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन में पूर्णतः बढ़ोतरी हुई है। संबद्ध वस्तुओं की मांग में अनुमानित बढ़ोतरी का लाभ लेने की दृष्टि से वर्ष 2015-16 के दौरान घरेलू उद्योग ने प्रतिष्ठापित क्षमता में बढ़ोतरी की है। तथापि, वे संपूर्ण मांग पर कब्जा अथवा उनकी क्षमता उपयोग को बढ़ा नहीं सके हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि काफी आयात हो रहे हैं जैसा कि पहले पैराग्राफों में नोट किया है।

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
1	क्षमता	मी. ट.	3,133	6,129	6,267	6,267
2	कुल उत्पादन	मी. ट.	1,734	3,168	2,901	2,945
3 (2÷1)	क्षमता उपयोग	%	55%	52%	46%	47%

ड. बिक्रियों की मात्रा

78. यह नोट किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में बढ़ोतरी हुई है; तथापि, इस अवधि के दौरान मांग में काफी बढ़ोतरी होने के बावजूद वर्ष 2015-16 के बाद से यह लगभग स्थिर रही है।

विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
घरेलू	मी. ट.	1,702	2,600	2,682	2,671
निर्यात	मी. ट.	49	193	176	92

79. सारणी यह दर्शाती है कि आधार वर्ष की अपेक्षा पी ओ आई के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में 57 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, इसकी तुलना में इसी अवधि के दौरान मांग में 319 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई (जैसा कि मांग से संबंधित ऊपर सारणी से देखा गया है)। घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि मांग में अधिकांश बढ़ोतरी को संबद्ध देशों से आयातों ने हथिया लिया गया है जो इसी अवधि में 972 प्रतिशत तक बढ़ी है।

च. मालसूचियां

80. संबद्ध वस्तुओं की माल सूचियों से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित सारणी में दर्शाए हैं :

वर्ष	2014-2015	2015-2016	2016-2017	पी ओ आई
औसत समान सूची	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	568	670	640

81. उपर्युक्त से यह नोट किया है कि आधार वर्ष की तुलना पी ओ आई के दौरान औसत माल सूची स्टॉक में बढ़ोतरी हुई है।

छ. उत्पादकता, रोजगार और मजदूरियां

82. यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग के द्वारा नियोजित कर्मचारियों की संख्या आधार वर्ष के दौरान उत्पादन में पर्याप्त बढ़ोतरी होने के बावजूद इसी अवधि की तुलना में पी ओ आई में लगभग वही रही। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इसकी वजह यह है कि पाटित आयातों से प्रदान की गई कीमतों के अनुरूप उनको लागतों में कटौती करनी पड़ी है।

विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
कर्मचारी	संख्या	24	39	36	28
उत्पादन	मी. ट..	4.75	8.68	7.95	8.07
मजदूरियां	रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	232	250	260

83. उपर्युक्त सारणी से यह नोट किया है कि आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है जो बेहतर कार्यकुशलता को दर्शाती है। घरेलू उद्योग ने बताया है कि कर्मचारियों को भुगतान की गई मजदूरियों में बढ़ोतरी हुई है लेकिन इसकी वजह अवधि में मजदूरियों में सामान्य बढ़ोतरी और बेहतर कुशल कर्मचारियों को किराए पर लेना है।

ज. पाटन की मात्रा और पाटन मार्जिन

84. पाटन की मात्रा इस बात का सूचक होती है कि किस सीमा तक पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और पर्याप्त है।

झ. वृद्धि

85. संबद्ध वस्तुओं की मांग में पर्याप्त बढ़ोतरी होने की वजह से उत्पादन और बिक्रियों में मुख्यतः पूर्णतः बढ़ोतरी हुई थी। तथापि, वृद्धि को जब वर्ष-दर-वर्ष आधार पर देखा गया तो यह लाभों, नकद लाभ तथा निवेश पर लाभ सहित अधिकांश क्षति कारकों के बारे में नकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाती है। घरेलू उद्योग का यह तर्क है कि मांग में बढ़ोतरी होने से घरेलू उद्योग ने लाभों, सुखद नकद प्रवाह में बढ़ोतरी तथा निवेशों पर लाभ में वृद्धि होने की उम्मीद की थी, तथापि घरेलू उद्योग अलाभकर कीमतों पर संबद्ध देशों से पाटित आयातों के होने की वजह से इसे प्राप्त नहीं कर सका था।

ञ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

86. आयात कीमतें घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को सीधे तौर पर प्रभावित कर रही हैं। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है। इसके अलावा, संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य की वजह से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रतिबंधित हुई और उन पर दबाव पड़ा था जिसके फलस्वरूप उन्हें वित्तीय हानियां हुईं। संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा नगण्य है और वे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं। उत्पाद की मांग पर्याप्त बढ़ोतरी की प्रवृत्ति को दिखा रही है और इसलिए यह घरेलू उद्योग के सामने ह्रास और न्यूनीकरण का एक उत्तरदायी कारक नहीं हो सकी है। इसको ध्यान में रखते हुए कथित पाटित आयात घरेलू उद्योग के कीमत ढांचे में बाधा डाल रहे हैं।

ज. क्षति मात्रा और क्षति मार्जिन

- 87.93. पी ओ आई के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के संदर्भ में प्राधिकारी के द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षतिरहित कीमत की संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य से तुलना की गई है और इस प्रकार प्राप्त किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :

क्र. सं.	उत्पादक	पहुंच मूल्य	एन आई पी	क्षति मार्जिन		
		यू एस डी/ मी. ट.	यू एस डी/ मी. ट.	यू एस डी/ मी. ट.	%	रेंज
चीन						
1	मैसर्स चांगझाउ बी बैटर सेंचरी फिल्म टैकनालॉजीज कं. लिमि.	***	***	***	***	15-25
2	हांगझाऊ फर्स्ट एप्लाइड मैटीरियल कं. लिमि./ मै. सुझाऊ फर्स्ट पी वी मैटीरियल कं. लिमि.	***	***	***	***	35-45
3	चांगझाउ श्वेक पी वी न्यू. मैटरियल कं. लिमि.	***	***	***	***	35-45
4	कोई और	***	***	***	***	35-45
सउदी अरब						
5	सउदी स्पेशलाइज्ड प्रोडक्ट्स कम्पनी	***	***	***	***	75-85
6	कोई और	***	***	***	***	95-105
थाइलैण्ड						
7	टी पी आई ऑल सीजनस कं. लिमि.	***	***	***	***	45-55

क्र.	उत्पादक	पहुंच मूल्य	एन आई पी	क्षति मार्जिन		
8	कोई और	***	***	***	***	75-85
मलेशिया						
9	कोई	***	***	***	***	55-65

झ. गैर-अधिकार विश्लेषण

88. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की वस्तुतः क्षति होने की मात्रा और कीमत प्रभाव के बारे में उसकी कम कीमत पर बिक्री, कीमत में कटौती, कीमत ह्रा, कीमत न्यूनीकरण और पाटनरोधी नियमावली तथा करार के तहत सूचीबद्ध अन्य सूचक मापदंडों के संदर्भ में जांच करते हुए प्राधिकारी ने यह देखने के लिए कार्रवाई की थी कि क्या पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।

क. अन्य देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें :

89. पी ओ आई के दौरान संबद्ध देशों के अलावा देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा पर्याप्त नहीं है और इनकी कीमत अधिक होने की सूचना थी। इसलिए, अन्य देशों से आयातों को घरेलू उद्योग के लिए क्षति पहुंचाने का कारक माना नहीं जा सकता है।

ख. मांग की कमी :

90. क्षति अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में सतत रूप से बढ़ोतरी हुई है। इसलिए, मांग में कमी होना घरेलू उद्योग की क्षति का संभव कारण नहीं है।

ग. खपत के पैटर्न में बदलाव :

91. विचाराधीन उत्पाद के बारे में खपत के पैटर्न में वस्तुतः कोई बदलाव नहीं हुआ है तथा इसलिए यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

घ. व्यापार संबंधी प्रतिबंधित कार्य और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा :

92. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि व्यापार संबंधी कोई प्रतिबंधित कार्य नहीं है, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

ङ. प्रौद्योगिकी में विकास :

93. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में वस्तुतः कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग के क्षति पहुंचाने के कारण नहीं है।

च. निर्यात निष्पादन :

94. प्राधिकारी के द्वारा उनके घरेलू प्रचालकों को ही ध्यान में रखते हुए क्षति विश्लेषण किया गया है। इसलिए निर्यात बाजार में निष्पादन से वर्तमान क्षति विश्लेषण पर प्रभाव नहीं पड़ा है।

छ. घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन :

95. घरेलू उद्योग के लिए क्षति के बारे में केवल विचाराधीन उत्पाद की वजह से विश्लेषण किया गया है। इसलिए, घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन से वर्तमान क्षति विश्लेषण पर प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा

96. भारत में अन्य घरेलू उत्पादक अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप बाजार की पकड़ बनाने में भी सक्षम नहीं रहे हैं और परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

कारणात्मक संबंध

97. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण है। कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले निम्नलिखित कारक निर्धारण के लिए संगत हैं।
- संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा जांच की अवधि सहित पूरी क्षति जांच अवधि में काफी बढ़ी है।
 - जांच की अवधि सहित पूरी क्षति जांच अवधि में आयात कीमतों में निरंतर गिरावट आई है। आयात कीमतों में गिरावट से बाजार में काफी कीमत न्यूनीकरण हुआ है।
 - घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 68 प्रतिशत से घटकर जांच की अवधि के दौरान 28 प्रतिशत हो गया। इसी के साथ संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 24 प्रतिशत से बढ़कर क्षति की अवधि में 60 प्रतिशत हो गया।
 - आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत/ उचित कीमत से काफी कम है और भारत में आ रहे कम कीमत के पाटित आयातों के कारण काफी कम कीमत पर बिक्री हो रही है।
 - लाभ में गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय हानियां, नकद लाभ में गिरावट और कर पूर्व नकारात्मक लाभ तथा नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय हुई।
 - नियोजित पूंजी पर आय तथा लाभप्रदता पूरी क्षति अवधि में नकारात्मक रही है। यह पाटित कीमतों पर किए जा रहे संबद्ध आयातों के कारण है।
 - संबद्ध देशों में उत्पादकों ने देश में अपनी मात्रा और बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए अपनी कीमतें कम कीं। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपने उत्पादन की बिक्री करने के लिए कीमतें घटाने पर मजबूर हो गया।
 - उपर्युक्त पैरा में किए गए विश्लेषण से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को क्षति के लिए कोई अन्य बाहरी अथवा अन्यथा कारण नहीं हैं।

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

घरेलू उद्योग के विचार

98. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- चीनी निर्यातक मै. चांगहोऊ बीबेटर सेंचुरी फिल्म टेक्नोलॉजीज कं. लि. का उत्तर रद्द किया जाना चाहिए क्योंकि उपर्युक्त चीनी निर्यातक की समूह कंपनी संबद्ध सामानों के उत्पादन और बिक्री में लगी हुई है और उन्होंने अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं। हमारी बाजार सूचना यह उल्लेख करती है कि कुल निर्यातों में उनके द्वारा किए गए निर्यात बहुत कम हैं और इसीलिए उनकी वास्तविक कीमतें उनकी निर्यात कीमत को नहीं दर्शातीं और उसके संबंध में परिकलित पाटन मार्जिन को खराब कर सकती हैं।
- सउदी अरब के निर्यातक सउदी स्पेशलाइज्ड प्रोडक्ट्स कंपनी द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में कई मुद्दों पर अत्यधिक कमियां हैं और उसे रद्द किया जाना चाहिए।
- संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का भारत को निर्यात अत्यधिक पाटित कीमतों पर किया गया है जोकि प्रकटन विवरण में तथ्यों से स्पष्ट है। इसके अतिरिक्त, पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, जैसा कि लाभप्रदता, निवेश पर आय और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के संदर्भ

में ह्रास से दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत न्यूनीकरण और ह्रास काफी सकारात्मक हैं। वस्तुतः हमने जांच की अवधि के बाद की अवधि के लिए आयात आंकड़े एकत्रित किए हैं तथा पाटित कीमत पर संबद्ध देशों के आयातों की बढ़ी हुई मात्रा की प्रवृत्ति जारी है।

- iv. पाटित आयातों से होने वाली क्षति से घरेलू उद्योग की सुरक्षा करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

99. अन्य विविध मुद्दों के संबंध में वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. चीन को डब्ल्यू टी ओ ने चीनी अभिगम नयाचार के संगत प्रावधानों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं माना जाना चाहिए।
- ii. घरेलू उद्योग दक्षता से और प्रभावी रूप से अपनी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत में गैर-अर्थक्षम अत्यधिक क्षमताएं सृजित की गई थीं जो उसके प्रयोग के लिए उत्पादक नहीं थीं। भारतीय उत्पादक (याचिकाकर्ता और समर्थक) केवल 25 प्रतिशत क्षमता उपयोग पर उत्पादन कर रहे हैं और 10,396 मी.ट. की कुल मांग के विरुद्ध केवल 4,151 मी.ट. का उत्पादन कर रहे हैं। मांग और आपूर्ति में इस भारी अंतराल के कारण संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों में वृद्धि हुई है।
- iii. प्रकटन विवरण में किए गए विश्लेषण के अनुसार आर्थिक मानदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को क्षति और संबद्ध देशों से आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- iv. यद्यपि, प्राधिकारी ने यह देखने के लिए गैर-आरोपण विश्लेषण किया है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, तथापि, प्राधिकारी उनकी प्रचालन नीति में कमियों तथा बढ़ती हुई उत्पादन क्षमता, जब क्षमता उपयोग काफी कम था, के गैर-आनुपातिक निर्णयों जैसे घरेलू उद्योग के भीतरी कारकों का विश्लेषण करने में विफल रहे।
- v. घरेलू उद्योग की कीमत और आयात की पहुंच कीमत के बीच कोई सह-संबंध नहीं है। घरेलू उद्योग की कीमत में पहुंच कीमत में गिरावट के अनुरूप गिरावट नहीं आई। तथापि, पहुंच कीमत में गिरावट लागत में गिरावट के अनुरूप है, जिसका अर्थ है कि आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट लागत में गिरावट के कारण थी।
- vi. महानिदेशक ने विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी पर 22 प्रतिशत आय की अनुमति दी है और उसे उपयुक्त माना है। अनुरोध है कि महानिदेशक द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत अत्यधिक बढ़ी हुई है और वास्तविक स्थिति पर आधारित नहीं है।
- vii. सउदी अरब के निर्यातक ने अनुरोध किया है कि जांच की अवधि के दौरान नमूनाकरण, परीक्षण और तुलनात्मक रूप से कम कीमतों पर उत्पाद की योग्यता के प्रयोजन के लिए भारतीय ग्राहकों को संबद्ध सामानों की काफी मात्रा बेची गई थी। अतः उपर्युक्त प्रयोजन के लिए लदान के लिए विशेष छूट कीमत के कारण ऊपरी स्तर पर समायोजन प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त सउदी अरब के निर्यातक ने अनुरोध किया है कि भारतीय ग्राहकों को दी गई छूटों और रियायतों की कमी के कारण कारखानागत निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य के परिकलन में त्रुटि है।

- viii. यह उल्लेख किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से सोलर मॉड्यूल उत्पादकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी, जोकि दूसरे टफंड ग्लास नामक घटक पर पहले ही शुल्क दे रहे हैं। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे व्यापक सार्वजनिक हित पर उपयुक्त रूप से विचार करें और विचाराधीन उत्पाद पर शुल्क न लगाएं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

100. जहां तक घरेलू उद्योग के इस दावे का संबंध है कि निर्यातक मै. चांगहोऊ बीबैटर सेंचुरी फिल्म टेक्नोलॉजीजी कं. लि., चीन जन.गण और मै. सददी स्पेशलाइज्ड प्रोडक्ट्स कंपनी सउदी अरब के उत्तर को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त उत्पादकों के उत्तरों की विस्तार से जांच की गई है और पर्याप्त पाए गए।
101. जहां तक घरेलू उद्योग के तर्क का संबंध है, कि संबद्ध देशों से पाटन जांच की अवधि के बाद की अवधि में बढ़ा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच का क्षेत्र क्षति जांच अवधि और जांच की अवधि से संबंधित तथ्यों और आंकड़ों तक ही सीमित है।
102. जहां तक चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी उत्पादकों और चीनी दूतावास को अतिरिक्त प्रश्नावली भेजी गई थी, जिसमें उनसे घरेलू उद्योग के इस दावे का खंडन करने के लिए कहा गया था कि चीनी उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में निरंतर प्रचालन करते हैं। तथापि, चीन के किसी भी उत्तरदाता उत्पादक ने घरेलू उद्योग के उपर्युक्त दावे का खंडन करने के लिए उपर्युक्त प्रश्नावली दायर नहीं की। ऐसी स्थिति में प्राधिकारी चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन करने वाला देश मानने के लिए मजबूर थे और नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कार्यवाही करते हैं।
103. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा क्षमताओं के कम उपयोग के संबंध में विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के दावों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का यह तर्क है कि वे संबद्ध देशों से पाटित आयातों के काफी कम कीमत पर मौजूदगी के कारण ईष्टतम क्षमताओं पर प्रचालन करने में असमर्थ हैं।
104. जहां तक और कारणात्मक संबंध के संबंध में विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के दावों का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त मुद्दे उपर्युक्त संगत पैराग्राफों में विस्तार में पहले ही ले लिए गए हैं।
105. नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत आय के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-2 तथा निदेशालय की स्थापित परिपाटी के अनुसार किया गया है।
106. जहां तक नमूनाकरण, परीक्षण और योग्यता प्रयोजनों के लिए बेचे गए उत्पादों के लिए ऊपरी स्तर पर समायोजन के संबंध में सउदी अरब के निर्यातक के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रकार का समायोजन प्रदान करने के लिए कानून में कोई आधार नहीं है। इसके अतिरिक्त, यह सिद्ध करने के लिए निस्संदेह रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य नहीं है कि उपर्युक्त उत्पाद नमूनाकरण, परीक्षण अथवा योग्यता के प्रयोजनों के लिए विशेष रूप से बेचे गए थे। तथापि, उल्लिखित परिकलन संबंधी त्रुटियां यथावश्यक विधिवत रूप से ठीक कर ली गई हैं।

107. निचले स्तर के उद्योग पर शुल्कों के प्रभाव के संबंध में अनुरोध की विस्तार से जांच की गई। यह स्पष्ट है कि संबद्ध सामानों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी और सोलर मॉड्यूल की लागत के साथ ई वी ए शीटों की लागत की तुलना करने से यह हो सकता है कि ई वी ए शीटों पर लगाए जाने वाले किसी शुल्क का प्रभाव सोलर मॉड्यूल के विनिर्माताओं के लिए न्यूनतम होगा और इससे सोलर मॉड्यूलों के लिए ईवीए शीटों के घरेलू उत्पादकों हेतु एक उचित व्यापारिक क्षेत्र सृजित होगा।

ग. भारतीय उद्योग के हित

108. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य रूप से पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए ग्राहकों को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
109. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध सामानों का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पादों की कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबंधित प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी, विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का समाधान करने के लिए आवश्यक मात्रा तक प्रतिबंधित किया जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से पाटन की परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों के ग्राहकों को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

घ. सिफारिशें

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए घरेलू उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के तहत उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच की शुरुआत करने और जांच करने पर और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा वास्तविक क्षति सिद्ध होने पर प्राधिकारी का यह मत है कि चीन जन गण, मलेशिया सउदी अरब और थाइलैंड से पाटित आयातों के कारण पाटन एवं क्षति को समाप्त करने की आवश्यकता है। तथापि, यह पाए जाने पर कि दक्षिण कोरिया से आयातों की मात्रा जांच की अवधि के दौरान न्यूनतम स्तर से कम थी, प्राधिकारी नियम 14(घ) के अनुसार दक्षिण कोरिया के विरुद्ध जांच को समाप्त करना उपयुक्त मानते हैं।
111. कमतर शुल्क नियमावली को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कमतर पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 8 में दर्शाए गए अनुसार चीन जन गण, मलेशिया, सउदी अरब और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	टैरिफ मद*	वस्तुओं का विवरण	उद्गम और/अथवा निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क तालिका	इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	3901 30, 3920 10, 3920 62, 3920 99, 3921 90	सोलर मॉड्यूल के लिए एथिलीन विनाइल एसीटेट ई) वी ए) शीट	चीन जन.गण.	मै. चांगझोऊ ब्रीबैटर सेंचुरी फिल्म टेक्नोलॉजीज कं. लि.	537	अम.डॉ./मी.ट.
2.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	मै. हांगझोऊ फर्स्ट एप्लाइड मेटेरियल कं. लि./ मै. सुझोऊ फर्स्ट पीवी मेटेरियल कं. लि.	665	अम.डॉ./मी.ट.
3.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	मै. चांगझोऊ स्वेस्क पीवी न्यू मेटेरियल कं. लि.	590	अम.डॉ./मी.ट.
4.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	कोई भी	897	अम.डॉ./मी.ट.
5.	-वही-	-वही-	सउदी अरब	मै. सउदी स्पेशलाइज्ड प्रोडक्ट्स कंपनी	1338	अम.डॉ./मी.ट.
6.	-वही-	-वही-	सउदी अरब	कोई भी	1559	अम.डॉ./मी.ट.
7.	-वही-	-वही-	थाइलैंड	मै. टीपीआई ऑल सीजनल कं. लि.	1141	अम.डॉ./मी.ट.
8.	-वही-	-वही-	थाइलैंड	कोई भी	1529	अम.डॉ./मी.ट.
9.	-वही-	-वही-	मलेशिया	कोई भी	953	अम.डॉ./मी.ट.

* सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जाएगा। उपर्युक्त विचाराधीन उत्पाद किसी अन्य एच एस कोड के तहत आयातित किए जाने पर भी उपर्युक्त पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन होना चाहिए।

112. ऊपर सिफारिश किए गए अनुसार शुल्क की दरें उपर्युक्त कॉलम 5 में उल्लिखित विशिष्ट उत्पादक द्वारा विनिर्मित संबद्ध सामानों के निर्यातों के लिए लागू हैं। सीमाशुल्क को संबद्ध सामानों की मंजूरी के समय उत्पादक का नाम सत्यापित करना चाहिए।

113. इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क का लागू स्तर होगा।

114. आवेदक घरेलू उद्योग और उत्तरदाता उत्पादकों के लिए संबद्ध सामानों, चीन के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जा रही है, के लिए उपर्युक्त परिवर्तन सिद्ध करने वाले संगत दस्तावेजों सहित संविधान में किसी परिवर्तन/विनिर्माण सुविधा के स्वामित्व में किसी परिवर्तन के संबंध में प्राधिकारी को सूचित करना अपेक्षित है। प्राधिकारी के पास यह सूचना उपर्युक्त परिवर्तन यदि कोई है, के 60 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए।
115. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

FINAL FINDING NOTIFICATION

New Delhi, the 21st February, 2019

(Case No.: O.I. 6/2018)

Subject: Anti-Dumping Investigation concerning imports of “Ethylene Vinyl Acetate (EVA) Sheet for Solar Module” from China PR, Malaysia, Saudi Arabia, South Korea and Thailand.

1. **F. No.06/9/2018-DGAD.**—M/s RenewSys India Private Limited (hereinafter referred to as the “applicant” or “petitioner” or “domestic industry”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Rules”) for imposition of Anti-dumping duty on imports of “Ethylene Vinyl Acetate (EVA) Sheet for Solar Module”(hereinafter also referred to as the subject goods or PUC) from China PR, Malaysia, Saudi Arabia, South Korea and Thailand (hereinafter also referred to as subject countries).
2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient prima-facie evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 6/9/2018-DGAD dated 4th April, 2018, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the Rule 5 of the Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR, Malaysia, Saudi Arabia, South Korea and Thailand and to recommend the amount of anti- dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
 - i. The Authority notified the Embassy of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority issued a notification dated 4th April, 2018, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from subject countries.
 - iii. The Embassy of the subject countries in India was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/ producers from the subject countries to respond to the questionnaire within prescribed time limit.

- iv. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/ exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 1. M/s First EVA, China
 2. M/s Sveck, China
 3. M/s Hanwa Q Cells Solar Power, Malaysia
 4. M/s TPI, Thailand
 5. M/s Hanwa Q Cells (Thailand) Co. Ltd.
 6. M/s Wahaj, Saudi Arabia
 7. M/s Hanwa Q Cells Corp. South Korea
- v. In response to the above initiation notification, following exporters/ producers have responded or submitted exporter questionnaire responses.
 1. M/s Changzhou Bbetter Century Film Technologies Co., Ltd., China
 2. M/s Changzhou Bbetter International Trading Co., Ltd, China
 3. M/s Suzhou First PV Material Co., China
 4. M/s Hangzhou First Applied Material Co., China
 5. M/s First Global Business Co. Ltd., China
 6. M/s Changzhou Sveck PV New Material Co. Ltd., China
 7. M/s Hanwha Advanced Materials Corporation, Korea
 8. M/s TPI All Seasons Co. Ltd. Thailand
 9. M/s Saudi Specialised Co., Saudi Arabia
- vi. The domestic industry in their application alleged that Chinese companies continue to operate on non-market economic conditions. Therefore, a Supplementary questionnaire on Market Economy conditions was also sent to the known producers/ exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit.
- vii. None of the responding producers/ exporters from China have filed the said supplementary questionnaire response to rebut the above said claim of the domestic industry.
- viii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/ users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 1. M/s Navitas green solutions pvt ltd
 2. M/s Bharat heavy electricals limited
 3. M/s Microsun solar tech pvt. Ltd
 4. M/s Premier solar systems(p) ltd
 5. M/s Akshaya solar power (india) pvt ltd
 6. M/s Access solar limited
 7. M/s Emmvee photovoltaic power private limited
 8. M/s Lanco solar private limited
 9. M/s Andromeda energy technologies pvt ltd.
 10. M/s Innovative solar solutions sova power ltd
 11. M/s Gautam solar private
 12. M/s Limited alpex exports pvt ltd
 13. M/s Goldi green technologies pvt ltd-surat
 14. M/s Hbl power systems ltd
 15. M/s Greentek india pvt ltd

16. M/s Abhishek solar industries pvt ltd
17. M/s Vikram solar pvt ltd aditi solar private limited
18. M/s Tata power solar system
19. M/s Rajasthan electronics & instruments ltd
20. M/s Central electronics limited
21. M/s Sirius solar energy system pvt ltd
22. M/s Integrated batteries india pvt ltd
23. M/s Sahaj solar pvt.ltd.
24. M/s Bharat heavy electricals limited
25. M/s Epd icon solar-en power technologies pvt. Ltd.
26. M/s Plaza power & infrastructure co.
27. M/s soltek photovoltex pvt ltd
28. M/s Suniva inc.
29. M/s Natco pharma limited
30. M/s Himalayan solar pvt ltd
31. M/s Jakson engineers limited
32. M/s Lubi electronics sova solar ltd (unit – ii)
33. M/s Sri savitr solar pvt.ltd
34. M/s Saatvik green energy private limited
35. M/s Hvr solar pvt .ltd
36. M/s Sanelite solar pvt ltd
37. M/s Insolation energy pvt. Ltd
38. M/s Alpex exports pvt ltd, greater noida
39. M/s Brawn energy pvt ltd
40. M/s Mehar solar technology pvt ltd
41. M/s Sanyo electric green
42. M/s Brilliance renewable energy llp
43. M/s H r solar solution private limited
44. M/s Swelect energy systems limited
45. M/s Enfros technologies pvt ltd
46. M/s Orb energy private limited
47. M/s Sunusa industries pvt ltd
48. M/s Schlaefer mahathi engineering industries pvt ltd
49. M/s Photon energy systems limited
50. M/s Huhtamaki ppl limited

ix. The following importers/ users or their Associations have responded or submitted importers questionnaire responses/ submissions:

1. M/s North India Module Manufacturers Association
2. M/s Waree Engineers
3. M/s Emmvee Photovoltaic Ltd.
4. M/s Insolation Energy Pvt. Ltd.
5. M/s PV Techno Power Ltd.
6. M/s Enkay Solar Energy Pvt. Ltd.
7. M/s Vikram Solar Ltd.

- x. China Chamber of Commerce (CCCCMC) and Embassy of South Korea also filed their submissions opposing the ongoing investigation.
- xi. Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xiii. A Disclosure Statement was issued on 05.02.2019 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 12.02.2019 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately
- xiv. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. The parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xv. The Non-injurious Price (NIP) based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out to calculate injury margin for the Domestic Industry;
- xvi. The transaction wise import data for the subject goods was obtained from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), for the injury period including the POI. The Authority has relied upon import data procured from DGCI&S in the present investigation, wherever warranted.
- xvii. Based upon the submission of the interested parties and the subsequent verification of the import data revealed that the imports from Korea RP which were included in the Product under Consideration at the time of initiation were actually “EVA resins” which is the raw material for Product under Consideration. After excluding such entries from the total imports from Korea RP, it was observed that the imports from Korea was below *de-minimus*, in view thereof the Authority is terminating the investigation against Korea as per the provision of Rule 14(d). Therefore, the subject countries under the present investigation are only China PR, Malaysia, Saudi Arabia and Thailand.
- xviii. The Authority held oral hearing in terms of Rule 6(6) of the Anti-Dumping Rules on 19th July, 2018 providing opportunity to the interested parties to present their views orally.
- xix. Investigation was carried out for the period 1st October, 2016 to 30th September, 2017 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from 1ST April 2014- 31st March 2015, 1ST April 2015- 31st March 2016, 1ST April 2016- 31st March 2017 and the POI.
- xx. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this Final Finding. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the exporters.
- xxi. *** in this Final Finding notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 USD = Rs. 66.26.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**Views of the Domestic industry**

4. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to product under consideration:
- i. The product under consideration for the purpose of present investigation is “Ethylene Vinyl Acetate (EVA) Sheet for Solar Module”. It is the polymer based component used in the manufacturing of solar PV (Photo Voltaic) modules. EVA sheet is used for encapsulation of solar PV cells performing adhesion and cushioning functions. This is one of the essential component which keeps glass, cell and backsheet integrated and support the module mechanically during its service life time.
 - ii. The EVA sheet falls in the category of plastic sheeting and films made using extrusion technology. It is a thermoplastic material, a copolymer of Polyethylene, polymerized using tubular or autoclave process mainly.
 - iii. The petitioner produces EVA sheets in all types of widths and thicknesses as required by the module manufacturers.
 - iv. The product under consideration is classified under Chapter 39 and imported under HS codes 3901 30, 3920 10, 3920 62, 3920 99 and 3921 90. However, imports are also taking place under other HS codes.

Views of the Opposing Interested Parties

5. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to the Product under Consideration:
- i. The responding exporter from Thailand stated that the PUC sold by the company in the Thailand market are Potential Induced Degradation (PID) resistant goods and the exports to India were non PID goods. PID resistant goods have higher cost and this factor needs to be appropriately adjusted while making comparison between NV and EP to ensure apple to apple comparison.
 - ii. Some of the exporters have submitted that it appears the Petitioner has considered EVA resin as “PUC” in certain cases and thus, inflated the overall volume of imports from the subject countries. The concerned exporters requested the Authority to ensure that the import statistics are properly sorted and only imports of EVA sheets are included for the Authority’s assessment.

Examination by the Authority

6. At the time of the initiation, the Authority defined the Product under Consideration as “Ethylene Vinyl Acetate (EVA) Sheet for Solar Module”. As per the information submitted by the Domestic Industry, the Product under Consideration is the polymer based component used in the manufacturing of solar PV (Photo Voltaic) modules. EVA sheet is used for encapsulation of solar PV cells performing adhesion and cushioning functions. As per the Domestic Industry, EVA is one of the essential component which keeps glass, cell and backsheet integrated and support the module mechanically during its service life time.
7. The EVA sheet falls in the category of plastic sheets and films made using extrusion technology. It is a thermoplastic material, a copolymer of Polyethylene, polymerized using tubular or autoclave process mainly. The product under consideration is generally imported under HS code 3901 30, 3920 10, 3920 62, 3920 99 and 3921 90. However, import are also taking place under other HS codes, therefore, it is clarified that the HS codes are only indicative and the product description shall prevail in all circumstances.

8. The petitioner has claimed that they can produce all kinds of widths and thicknesses of the EVA sheets required by the module manufacturers. The Authority notes that no interested party has disputed the claim of the Domestic Industry in this regard.
9. As regards the claim of the Thailand exporter with respect to the product variants sold by them in the domestic and export market, the Authority notes that the claims of the concerned exporter were examined in detail and it was found that the difference in costing of the different grades is not significant. Further, both the grades are replaceable and substitutable. In view thereof, the Authority decides that in the present case there is no need for any product differentiation on the basis of PCN.
10. As regards the concerns of the exporters with respect to the sorting of import data, the Authority notes that post initiation, import data was sought from DGCI&S and the Authority examined the import data in detail. It was found that some of the entries relating to Korea were of EVA resin which is the raw material for producing the Product under Consideration. The Authority has removed such entries from Product under Consideration and have considered the actual import figures for the purposes of analysis in the present investigation.
11. The Authority notes from the information available on record that the Product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject countries are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The goods produced by the domestic industry and imported from the subject countries are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority holds that goods produced by the applicant domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject countries in accordance with the AD Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Views of the Domestic industry

12. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
 - i. The domestic industry submitted that there were only four producers who produced the subject goods in India during the period of investigation namely M/s RenewSys India Private Limited, M/s Vishakha Renewables Pvt. Ltd., M/s Allied Glasses Pvt. Ltd and Ms. Brij Foot Care.
 - ii. The petition has been filed by M/s RenewSys India Private Limited, who is the largest producer of the subject goods in India and holds around 71% share in total domestic production. The petitioner has also submitted support letters from M/s Vishakha Renewables Pvt. Ltd and M/s Allied Glasses Pvt. Ltd who are also the producers of the subject goods. The petitioner and the supporters hold more than 99% shares in total domestic production. There 4th producer of the subject goods in India, namely M/s Brij Foot Care has also now expressly extended its support to the petition. The support letter from M/s Brij Foot Care expressing their support to the petition is supplied to the Authority.
The petitioner along with the supporters accounts for 100% of the total domestic production in the country.
 - iii. The petitioner has already certified that there are no imports of the product under consideration by the
 - iv. The petitioner or any of its related party within the meaning of Rule 2(b) nor they are related to any of the exporters from the subject country. In view of the aforesaid, the applicant has clear standing to file the petition and also to seek legal protection under the anti-dumping laws.
 - v. Some of the interested parties have contended the standing of the petitioner as Domestic Industry on the ground that the petitioner is a manufacturer of the subject goods for 'captive consumption'. In support of their contention, they have relied upon the findings of the Authority in the case of Low Ash Metallurgical Coke from Australia and China (2016).
 - vi. The Domestic Industry submitted that the reliance of the interested parties on the decision in Low Ash Metallurgical Coke case is totally misplaced. As per the Domestic Industry, in that case the decision of the

Authority to exclude some producers from the purview of Domestic Industry was in view of the fact that the said producers were only captively transferring their products and their production was not in competition with the imported subject goods. The fact that some part of the production is used captively has never been considered as a ground for not treating a petitioner as an eligible Domestic Industry.

- vii. The Domestic Industry submitted that the interested parties have failed to appreciate that by producing goods for captive consumption also, the Domestic Industry has been able to lower down its overall average costs. As per the Domestic Industry, the improvement in some of the injury parameters is on account of the fact that the Domestic Industry has been able to lower down its cost of production and other costs.
- viii. The Domestic Industry also stated that it has already submitted the details with respect to its captive production which may kindly be verified by the Authority.

Views of the opposing interested parties

13. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to standing and scope of domestic industry:

- i. The number of domestic producers of EVA sheets and their representatives are not correctly indicated in the petition, which gives rise to doubts on the accuracy of other information in the petition. In the petition there are 5 producers of the subject goods in India, however the table showing the share of production of Indian producers contains only 4 producers including the petitioner. Share of production appears to be wrongly stated as during period April 14 to March 15, the total share of the 4 companies is only 94% and during period April 16 to March 17, total share of 4 companies is 102% (more than 100%).
- ii. Doubts on accuracy of information and data, due to deficiency petition should not have passed the scrutiny of the investigating authority.
- iii. Petitioner has failed to provide the basis or evidence based on which it presumes 70% holding of total domestic production in India. Petitioner has also failed to provide the basis for presuming that there are no other producers of the subject goods in the Indian Market.
- iv. No clarity, why petition filed on basis of behalf of portion of domestic producers i.e. one domestic producer rather than all of them combined.
- v. Data of non supporting domestic producer, Brij Foot care, must be carefully scrutinized for source as well as reliability.
- vi. The applicant is not eligible to be defined as the eligible Domestic Industry since it is captively using its production in view of the decision of the Authority in the case of Low Ash Metallurgical Coke.

Examination of the Authority

14. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

15. The petition has been filed by M/s RenewSys India Private Limited, who is the largest producer of the subject goods in India. The petitioner has also submitted support letters from M/s Vishakha Renewables Pvt. Ltd and M/s Allied Glasses Pvt. Ltd., who are the other producers of the subject goods in India. The applicants have not imported the PUC during the POI nor are they related either to any exporter or producer of the PUC in the subject countries or any importer of the PUC in India. After initiation, the petitioner also submitted the support letter from the fourth domestic producer namely M/s Brij Foot Care. The 5th producer M/s Lucent Clean Energy Limited has started production after the POI and is therefore not relevant for this investigation.

S. No.	Name of the Producer in India	Production in MT during POI	Share
1	Renewsys India Private Limited	2,945	70.9%
2	Vishakha Renewables Pvt Ltd.	867	20.9%
3	Allied Glasses Pvt Ltd	325	7.8%
4	Brij Foot Care	14	0.4%
	Total	4,151	100%

16. After examination of data and information, the Authority holds that the petitioners have clear standing to file the present petition when examined in terms of Rule 5(3) of the Rules. The share of petitioner alone constitutes major proportion of the total domestic production. Further, the petitioner along with the supporters accounts for 100% of the total domestic production in the country.
17. As regards the issue of captive consumption by the Domestic Industry, the Authority notes that the issue was examined in detail and facts/ information with respect to the captive consumption of the applicant was verified. It is noted that the petitioner's captive consumption is almost insignificant in comparison to their market sales. The Authority further notes that the reliance of the interested parties on the case of Low Ash Metallurgical Coke is misplaced in view of the fact that the decision of the Authority in that case was with respect to the producers who were involved only in the captive production of the goods and whose production was not in competition with the imported subject goods.
18. The Authority has considered the submission of the interested parties regarding error in the Domestic Industry petition with respect to the total share of the domestic producers in Indian production. The Authority has revised such figures on the basis of the information received and duly verified by the Authority.
19. In view of the above, after detailed examination the Authority has decided that the petitioner companies constitute eligible domestic industry in terms of Rule 2(b). Further, the petitioner companies also have the standing in terms of Rule 5(3) to file the present petition.

D. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY

Views of the Domestic industry

20. The submissions made by domestic industry are as follows:
- The petitioner has claimed only such information as confidential, the confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.
 - The petitioner has provided proper non-confidential version of the application. No interested party has been able to point out any specific instance of information where confidentiality has been claimed which is not justified under the Rules.
 - Information such as volume of exports to India, gross volume of sales in domestic market, production, sales, average price for exports to India have been provided in an indexed form as the information is business proprietary information and hence confidential in nature.
 - None of the exporters or the interested parties have provided the non-confidential version of their responses which is an exact replica of their confidential version. They have kept all the volume related information confidential. They have also not provided any statement of claim of confidentiality. Further, the responses are in stark violation of the specific guidelines issued by the Designated Authority with regard to the procedure to be followed for filing of non-confidential version of the exporter's questionnaire responses. The Domestic Industry, therefore, request the Authority to disregard the submissions of the interested parties and also to reject the responses of exporters and deny them the individual treatment.

Views of the opposing interested parties

21. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to volume related information also.
 - ii. The domestic industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file.
 - iii. The Domestic Industry has also not provided sufficient details of their costing.

Examination by the Authority

22. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
23. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the justification of their claims and the specific provisions of law as interpreted by the Hon'ble Supreme Court. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

E. MISCELLANEOUS ISSUES**Views of the Domestic Industry**

24. The submissions made by domestic industry are as follows:
- i. The claims of the interested parties regarding demand-supply gap in the country is completely baseless. The total demand of the subject goods in India is of 10,396 MT. The Domestic Industry alone has got a capacity of 6267 MT. Further, the other Indian producers, Vishakha Renewable, Allied Glass and Brij Foot care has got capacity of 6267 MT, 3133 MT and 1050 MT respectively. In addition to that, another domestic producer, M/s Lucent Clean Energy Ltd. has also begun its operations in December 2017. Clearly, Indian producers have the capacity to meet the total demand in the country.
 - ii. The apprehensions raised by the interested parties with regard to the computation of normal value and export price are baseless. The interested parties have failed to appreciate that there is limited information available with the petitioner at the time of initiation of the investigation.
 - iii. The Domestic Industry made attempts to get information with respect to the prevailing prices of the subject goods in the concerned countries prior to the filing of the present case, the proofs of which were provided in the application. However, despite sincere attempts, Domestic Industry was not able to get the prices of the subject goods in the subject countries.

Views of the opposing interested parties

25. The various submissions made by the producers/ exporters/ importers/ other interested parties during the course of the present investigation with regard to other miscellaneous issues and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The imports in the present case are the result of demand-supply gap in the country. The petition shows that the capacity set up by the petitioner is to the tune of 6267 MT and the demand in India has been 10396 MT during the POI.
- ii. Some of the interested parties have raised issues regarding the correctness of the information contained in the petition. They submitted that certain information such as the share of the petitioner in total domestic production, normal value, export price does not seem to be accurate and does not meet the evidentiary and legal standards of Article 5 of the Anti-dumping Agreement.
- iii. It was submitted by some Chinese exporters that the cumulation of data of the subject country China PR along with the other subject countries, i.e., Malaysia, Saudi Arabia, South Korea and Thailand is completely inappropriate in the facts of the present case. In this regard, the exporters submitted that the conditions of competition amongst the imports from China PR and the imports from the other subject countries are completely incomparable and must not be cumulated.

Examination by the Authority

26. As regards the claims of the interested parties with respect to the demand-supply gap in the country, the Authority notes that as submitted by the Domestic Industry and the support letters filed by the other domestic producers, it is clear that there is sufficient capacity in the country to cater to the total demand in the country. In any case, the purpose of the anti-dumping duty is not to prohibit imports but to merely ensure that the imports are coming into India at fair prices and a level playing field is provided to the domestic producers. Further, even if the anti-dumping duties are imposed, imports can still come provided they are fairly priced.
27. The claims of the interested parties with respect to the correctness of the information in the petition was examined in detail and the Authority notes that the information considered for the purpose of this finding has been duly verified by the Authority. As regards the normal value and export price information contained in the petition, the Authority finds merit in the submission of the Domestic Industry that there is limited information available with the petitioner at the time of initiation of the investigation. The Domestic Industry has been able to demonstrate that they have made attempts to get the prevailing prices in the concerned countries. Moreover, the normal value and export price in the present finding is computed using the actual data filed by the responding exporters of the concerned countries, wherever applicable.
28. As regards the claim of the interested parties regarding the cumulative assessment of data of China PR with other subject countries, the Authority notes that cumulative assessment of the effects of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic products. It is noted that none of the interested parties have provided any evidence to indicate that the conditions of competition between Chinese imports and the like domestic products and the conditions of competition between other subject countries imports and the like domestic products were in any way different.

F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

NORMAL VALUE

Views of the Domestic industry

29. The submissions made by domestic industry are as follows:
 - i. In terms of Para 8 of Annexure I of the anti-dumping rules, China has to be presumed to be a Non-market Economy Country unless the concerned firms/ producers/ exporters are able to rebut the said presumption based on the criteria spelt out in Para 8(3). This is also in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot

be relied upon for determination of normal value. The domestic industry respectfully submit that China PR should be treated as non-market economy country for the following reasons:

- a) None of the Chinese producers have claimed the MET treatment and have not filled the requisite questionnaire for MET treatment. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
- b) Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
- c) Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. Contrarily, while examining material injury existence of a single parameter is considered sufficient to establish such injury. In other words, where one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.
- d) It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- e) Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- f) It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules without invoking proviso to 8(2) in view of the aforementioned facts and circumstances.
- g) The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) import price from third country into India, (b) selling price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. It is also submitted that since these options for determination of normal value are available, the Designated Authority may not kindly consider "any other basis" because this is required to be applied only when the basis listed under the law cannot be applied.
- h) Para 8(2) of Annexure-I leaves no choice for the Designated Authority but to presume China to be a Non-Market Economy country. However, the same is open to rebuttal by the Chinese firms under the provision of Para 8(3).
- i) The Designated Authority is a creation of the statute and has to perform its obligations and exercise the powers as specifically assigned to it under the specific provisions of the statute. Therefore, unless the provisions of Para 8 are amended, it is imperative for the Designated Authority to operate as per the procedure mentioned in Para 8 and presume China as a Non-Market Economy country.
- j) The significant extent of continued government intervention in certain important sectors of the Chinese economy warrants maintaining China's designation as a Non-Market Economy country. It is a known fact that China's economy is controlled by the state forces and there is a significant interference and control of the state machinery in the country's economy. The grant of Market Economy status under China's accession to the WTO is not automated but contingent upon China's compliance with the preconditions mentioned in the Accession Protocol.
- k) As for Saudi-Arabia, the responding producer/exporter has admitted that they have not sold the Product under Consideration in their domestic market in Saudi Arabia. Therefore, the normal value of the said exporter has to be constructed.

Views of the opposing interested parties

30. The concerned responding producers/ exporters have objected to the construction of the normal value in the petition by the petitioner using its own costs as the basis, by taking the price of the major raw materials and utilities duly adjusting the same for selling, general and administrative expenses.

Examination by the Authority

31. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Several producers and exporters from the subject countries have filed the prescribed questionnaire responses.
32. It was alleged by the domestic industry in their application that Chinese companies continue to operate on non-market economic conditions as there exist significant government intervention in various activities including exchange rate management. Based on the claims of the domestic industry, the Authority advised the producers/ exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status to demonstrate that they are operating under market economy conditions. The Authority sent copies of the supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters from China for providing sufficient information in this regard. The Authority also requested Government of China to advise the producers/ exporters in their country to provide all the relevant information.
33. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-Dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/ producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/ sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the supplementary questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:
- i. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
34. The Authority takes cognizance of the fact that none of the producer/ exporter from China PR have filed the supplementary questionnaire response wherein they were sought to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure 1 of the Anti-dumping Rules. Therefore, the Authority holds that the responding Chinese producers/ exporters have failed to provide sufficient evidence to establish that they are operating under market economy conditions. Under the circumstances, the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules in this regard.
35. Further, the Authority notes that the responding producer from Saudi Arabia has not sold the Product under Consideration in their domestic market and information pertaining to exports to third countries have not been furnished. However, the responding producer from Saudi Arabia has stated that the production of PUC took place for only few days of the POI and that its cost of production does not reflect the commercial costs to produce the PUC and therefore requested the Authority to construct its normal value as per the other

alternative methods of construction of normal value available under the Rules. After examination and due deliberation, the Authority proceeds for construction of normal value for the said producer in accordance with the Rules.

36. None of the producers and exporters from Malaysia have filed questionnaire response. Therefore, the Authority has decided to proceed to construct its normal value and export price in accordance with the Rules.
37. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding producers/ exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding producers/ exporters have made any claim with regard to an appropriate market economy third country at this stage. Therefore, for the purpose of determination of Normal Value, the Authority proceeds to construct the normal value, wherever warranted, based on best available fact in accordance with the Rules.

Normal Value for China PR, Saudi Arabia And Malaysia

38. The Authority has constructed the Normal Value for China PR, Saudi Arabia and Malaysia based on the facts available in terms of Rule 6(8) to the AD Rules. Accordingly, the Normal Value of the product under consideration is determined based on cost of production of domestic industry for PUC, however taking into consideration the international prices of major raw material and duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. Further, the constructed normal value has been duly adjusted with weighted average conversion factor (square meter to MT) based on the export data of the responding exporters. The constructed normal value is as mentioned in the dumping margin table below.

Normal Value for Thailand

M/s TPI All Seasons Co. Ltd. Thailand

39. The questionnaire response filed by the exporter has been examined. The same is found to be complete and in order. The cost of production was determined on the basis of verified information of the producer and domestic sale transactions were examined. The domestic sales were examined and found that only 33% of the sales are profit-making. Accordingly, only such profit making transactions were considered for calculating its normal value. The sales were given adjustments as claimed by the producer for transportation, credit cost, insurance after verification. The normal value is determined as mentioned in the dumping margin table below.

EXPORT PRICE

I. CHINA PR

M/s Changzhou Bbetter Century Film Technologies Co., Ltd., China

40. M/s Changzhou Bbtter Century Film Technologies Co., Ltd. has filed Exporters Questionnaire Response claiming themselves a producer and an exporter of subject goods from China PR. From the information filed by the said exporter, it is noted that they have exported a small quantity of the subject goods to India directly during the POI and majority has been exported through related exporters/ traders, namely, M/s Bbetter International Trading Co., Ltd., China.
41. The Authority examined the Exporters Questionnaire response and noted that response has been filed for all the quantity exported to India directly or indirectly. The exports details furnished by producer have been considered for determining ex-factory export price for grant of individual dumping and injury margin. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, overseas freight, bank charges, credit cost and the same have been accepted after necessary verification. The NEP has also been adjusted for

SGA and Profit of the related exporter. The constructed normal value and weighted average net export price is as mentioned in the dumping margin table below.

M/s. Hangzhou First Applied Material Co., China

42. M/s Hangzhou First Applied Material Co. Ltd., China PR has filed Exporters Questionnaire Response claiming themselves a producer and an exporter of subject goods from China PR. The examination of the response shows that they have another related producer in the group M/s Suzhou First PV Material Co., Ltd who has also filed detailed questionnaire response. From the information filed by the said exporter, it is noted that they have sold subject goods in domestic market directly and through their related entity M/s Suzhou First PV Material Co., Ltd. Further, M/s Hangzhou First Applied Material Co. Ltd has exported a small quantity of the subject goods to India directly and majority through unrelated entity, namely, M/s First Global Business Co., Ltd., China.
43. The Authority examined the Exporters Questionnaire response and noted response has been filed for all the quantity exported to India directly or indirectly. The exports details furnished by producer have been considered for determining ex-factory export price for grant of individual dumping and injury margin. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, overseas freight, bank charges, credit and the same have been accepted after necessary verification. The constructed normal value and weighted average net export price is as mentioned in the dumping margin table below.

M/s Changzhou Sveck PV New Material Co. Ltd.,

44. M/s Changzhou Sveck PV New Material Co. Ltd., has filed Exporters Questionnaire Response claiming themselves a producer and an exporter of subject goods from China PR. From the information filed, they have directly exported the subject goods to India during the POI.
45. The Authority examined the Exporters Questionnaire response and noted that the response has been filed for all the quantity exported to India. The exports details furnished by producer have been considered for determining ex-factory export price for grant of individual dumping and injury margin. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, overseas freight, bank charges, credit and the same have been accepted after necessary verification. The constructed normal value and weighted average net export price is as mentioned in the dumping margin table below.

II. SAUDI ARABIA

M/s Saudi Specialized Co. Ltd.

46. M/s Saudi Specialized Co. Ltd. has filed Exporters Questionnaire Response claiming themselves a producer and exporter of subject goods from Saudi Arabia. From the information filed, they have directly exported the subject goods to India during the POI.
47. The Authority examined the Exporters Questionnaire response and noted that the response has been filed for all the quantity exported to India. The exports details furnished by producer have been considered for determining ex-factory export price for grant of individual dumping and injury margin. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, overseas freight, bank charges, credit cost and the same have been accepted after necessary verification. The constructed normal value and weighted average net export price is as mentioned in the dumping margin table below.

III. MALAYSIA

48. The Authority notes that none of the producers/ exporters from Malaysia have participated in the present case. In view thereof, the Authority decides to construct their net export price from DGCIS import data.

IV. THAILAND**M/s TPI All Seasons Co. Ltd.**

49. M/s TPI All Seasons Co. Ltd. has filed Exporters Questionnaire Response claiming themselves a producer and exporter of subject goods from Thailand. From the information filed, they have directly exported the subject goods to India during the POI.
50. The Authority examined the Exporters Questionnaire response and noted that the response has been filed for all the quantity exported to India. The exports details furnished by producer have been considered for determining ex-factory export price for grant of individual dumping and injury margin. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, overseas freight, bank charges, credit and the same have been accepted after necessary verification. The constructed normal value and weighted average net export price is as mentioned in the dumping margin table below.

DUMPING MARGIN

51. The following dumping margins for subject goods has been determined by comparing normal value (or the constructed normal value wherever the actual normal value is not available/ acceptable) and net export price at ex-factory level for the subject goods:

Sl.No.	Producer	NV/CNV	NEP	Dumping Margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
CHINA						
1	M/s Changzhou Bbetter Century film Technologies Co. Ltd.	***	***	***	***	15-25
2	M/s Hangzhou First Applied Material Co. Ltd. / M/s Suzhou First PV Material Co., Ltd	***	***	***	***	25-35
3	M/s Changzhou Sveck PV New Material Co. Ltd.	***	***	***	***	25-35
4	Any other	***	***	***	***	45-55
SAUDI ARABIA						
5	M/s Saudi Specialized Products Company.	***	***	***	***	75-85
6	Any other	***	***	***	***	95-105
THAILAND						
7	M/s TPI all seasons Co. Ltd.	***	***	***	***	55-65
8	Any other	***	***	***	***	85-95
MALAYSIA						
9	Any	2782	1829	953	52	45-55

52. It is seen that the dumping margin for the subject goods is above de-minimus from all the above mentioned subject countries.

G. METHODOLOGY FOR INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Views of the Domestic Industry

53. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- Imports of the product under consideration have shown increase over the years with a significant increase in POI.
 - Market share of subject countries in demand is significant. Market share of the domestic industry has decreased significantly in the POI as compared to the base year. The same is due to significant imports from subject countries;
 - Domestic industry prices, reflect the effect of the prices that are being offered by the importers in the domestic market;
 - The price underselling, price undercutting is positive and substantial. Further, the Domestic Industry is suffering from price depression as they are not able to increase its prices to reasonable terms. The main reason for this is high volume of imports from subject countries that too at dumped and injurious prices.
 - Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of profits, return on investments and cash profits to a very significant extent.
 - The decline in profitability of the domestic industry was due to significant increase in the import volume at non-remunerative prices from subject countries.
 - The decrease in selling price was more than the decrease in cost of production and thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
 - The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from subject countries. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue

Views of the opposing interested parties

54. The following are the injury related submissions made by the opposing interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority :
- The Domestic Industry is not suffering any injury and has improved throughout the injury investigation period;
 - From the data furnished by the petitioners, they have failed to show any injury on account of allegedly dumped imports.
 - The petitioners have adopted the method of cumulative assessment of injury in the present case, which in present circumstances is inappropriate.
 - The evidence submitted by applicants could not support a “significant” increase of imports either in absolute terms or in relative terms.
 - Any injury allegedly suffered by the domestic industry has been caused by factors other than imports from the subject countries
 - The injury to the Domestic Industry is on account of the fact that substantial losses were acquired by the petitioner in 2015 due to acquisition of SSPL, which are substantial and impacted the petitioners parameters to an extent that profit loss figures had to be accommodated to reflect the same.

Examination by the Authority

55. The impact of the dumped imports on the domestic industry is to be examined in terms of Para (iii) and (iv) of Annexure-II of the AD Rules.
56. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties during the course of the present investigations and considered relevant by the Authority.
57. The Authority computed the non-injurious price in accordance with Annexure III to the Anti-dumping Rules and the established practices of the DGAD.

58. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II of the Rules supra. Further, the imports from Korea RP relating to EVA resin have not been taken into consideration for the purposes of injury analyses because Korea RP has been excluded from the scope of subject countries on account of de-minimis imports.

I. Assessment of Demand

59. For this purpose, demand or apparent consumption of the subject goods in India is taken as the sum of domestic sales of all Indian producers and imports from all sources as per DGCI&S data. The examination of the import data indicated that some of the transactions were in units other than Kg which were duly converted into MT by applying the conversion factor (duly verified) used for the domestic industry.

S. No.	Year	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1	Imports from Subject countries	MT	594	1,025	4,674	6,367
2	Imports from other countries	MT	136	651	216	86
3 (1+2)	Total Imports	MT	730	1676	4890	6453
4	Sales – Domestic Industry	MT	1,702	2,600	2,682	2,671
5	Sales – Other Indian Producers	MT	79	137	238	1,095
6 (4+5)	Domestic sales of Indian Producers	MT	1,781	2,737	2,920	3,766
7	Captive consumption – Domestic Industry	MT	0	73	201	332
8 (3+6+7)	Total Demand	MT	2,511	4,486	8,011	10,551
9	Production - Domestic Industry	MT	1,734	3,168	2,901	2,945
10 (1÷8)	% Share of Subject Countries in Demand	%	24%	23%	58%	60%
11 (1÷9)	% share of Subject countries in relation to Production of Domestic Industry	%	34%	32%	161%	216%

60. The Authority notes that the total demand in India has substantively increased consistently over the entire injury period including POI. The Authority also notes that the imports from subject countries have captured the major proportion of the demand so increased in the country. This is evident from the fact that the share of the subject countries in total demand has increased from 24% in 2014-15 to 60% in the POI.

II. Volume Effect of Dumped Imports

Import Volume and Market Share in Imports

61. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject goods from the subject countries has been analysed as under:

Sr. No.	Year	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1	China PR	MT	386	634	3,807	5,434
2	Malaysia	MT	73	125	262	204
3	Saudi Arabia	MT	-	86	317	412

4	Thailand	MT	135	179	288	317
5 (1 to 4)	Imports from Subject Countries	MT	594	1,024	4,674	6,367
6	Trend	Trend	100	172	787	1,072
7	Imports from Other Countries	MT	136	651	216	86
8 (5+7)	Total Imports	MT	730	1675	4890	6453
9 (5÷8)	% share of Subject countries in Imports	%	81%	61%	96%	99%

62. The share of imports from subject countries in total imports is around 99% during the POI. It is noted from the above tables that imports of the subject goods from the subject countries have increased significantly in absolute terms as well as in relation to production and consumption in POI as compared to the previous years.

III. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

63. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

a. Price Undercutting

64. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the domestic industry had computed the price undercutting for the POI by comparing landed value of imports with net sales realization of the domestic industry. In view of detailed responses received from the responding producers/ exporter, the Authority has taken the landed value from such responses or DGCIS data, as available, for computing the price undercutting.

Sr. No.	Particulars	Unit	China	Malaysia	Saudi Arabia	Thailand
1	Imports from Subject country	MT	5434	204	412	317
2	Landed price of imports	Rs/MT	***	***	***	***
3	Net Sales Realisation of domestic sales by DI	Rs/MT	***	***	***	***
4 (3-2)	Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
5 (4÷2)	Price undercutting	%	***	***	***	***
6	Price undercutting	Range	5-15	15-25	20-30	5-15

65. The above table clearly shows that the landed value of imports from each of the subject country is lower than the net selling price of domestic industry in India and hence there is significant positive price undercutting.

b. Price Underselling

Sr. No.	Particulars	Unit	China	Malaysia	Saudi Arabia	Thailand
1	Imports from Subject country	MT	5,434	204	412	317
2	Landed price of imports	Rs/MT	***	***	***	***
3	Non-Injurious Price	Rs/MT	***	***	***	***
4 (3-2)	Price underselling	Rs/MT	***	***	***	***
5 (4÷2)	Price underselling	%	***	***	***	***
6	Price underselling	Range	35-45	55-65	70-80	45-55

66. Price underselling suffered by the domestic industry has been examined by comparison of landed price of imports with NIP.
67. It is noted that the imports from subject countries are landing at prices substantially lower than the NIP and hence there is significant positive underselling.

c. Price Suppression and Depression

68. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the petitioner has given data of cost of sales and selling prices and considered the changes in the costs and prices over the injury period, as detailed below:

Sr. No.	Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1	Landed value from China	Rs/MT	***	***	***	***
2	Landed value from Malaysia	Rs/MT	***	***	***	***
3	Landed value from Saudi Arabia	Rs/MT	***	***	***	***
4	Landed value from Thailand	Rs/MT	***	***	***	***
5	Landed value from Subject Countries	Rs/MT	***	***	***	***
6	Trend	Trend	100	99	91	76
7	Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
8	Trend	Trend	100	97	88	84
9	Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
10	Trend	Trend	100	89	90	79

69. It is seen that the cost of sales and net sales realization of Domestic Industry for subject goods is decreasing during the POI as compared to the base year and the preceding years. However, the net sales realization has remained below the cost of sales during the entire injury period including the POI. It is noted that the landed value of the imports of the subject goods during the POI has been much lower than the NSR of the domestic industry. The domestic industry has not been able to recover the cost of sales of the subject goods indicating strong effects of suppression and depression in prices.

IV. Economic Parameters of the Domestic Industry

70. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

71. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

a. Market share:

72. The details of imports, domestic sales and the market share of the domestic industry is as below:

S. No.	Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1	Domestic Sales-Applicants	MT	1,702	2,600	2,682	2,671
2	Captive consumption - Applicants		0	73	201	332
3	Domestic Sales-Others	MT	79	137	238	1,095

4	Imports from Subject Countries	MT	594	1,025	4,674	6,367
5	Imports from Other Countries	MT	136	651	216	86
6 (1 to 5)	Total Demand	MT	2,511	4,486	8,011	10,551
7	Market share in Demand					
7a	Of domestic industry Sales incl. captive	%	68%	60%	36%	28%
7b	Of Indian producers	%	71%	63%	39%	39%
7c	Of Imports from Subject countries	%	24%	23%	59%	61%
7d	Of Imports from Other Countries	%	5%	14%	2%	1%

73. The imports of the subject goods from subject countries have increased substantially from base year to POI in absolute and relative terms. The total demand in India has shown a consistent and significant increase, however, the market share of Domestic Industry in total demand has decreased significantly from the base year to the POI. At the same time, the market share of the imports has seen a significant increase during the same period. The increase in demand in the country has been largely captured by increased imports as against the Indian producers.

b. Profitability:

74. The Domestic Industry stated that cost of sales has declined in the POI, as are the selling prices. It is seen that the selling price saw a substantial downward trend and the same consistently remained below the cost of sales of the Domestic Industry resulting into continued losses during the entire injury period. The Domestic Industry has also submitted that they were forced to match the post landing discounted prices offered by the exporters.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Trend	100	89	90	79
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Trend	100	97	88	84
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Trend	(100)	(27)	(113)	(39)

75. The information submitted by domestic industry indicates that there are continued losses during the entire injury period including the POI.

c. Return on Investment:

76. The domestic industry has furnished information which shows that the return on investment has been negative during the entire injury period including the POI:

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
ROI	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(10)	(265)	(94)

d. Production and Capacity Utilization:

77. It has been stated that the production of the Domestic Industry has increased in absolute terms during the POI as compared to the base year and the preceding year. The domestic industry has increased the installed capacity during 2015-16 with a view to take advantage of the estimated increase in demand of the subject goods, however, they have not been able to capture the demand fully or increase their capacity utilization. It is largely due to the fact that significant imports are taking place as noted in the earlier paragraphs.

Sr. No.	Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1	Capacity	MT	3,133	6,129	6,267	6,267
2	Total Production	MT	1,734	3,168	2,901	2,945
3 (2÷1)	Capacity Utilization	%	55%	52%	46%	47%

e. Sales Volumes:

78. It is noted that the sales volume of the Domestic Industry has increased in the POI as compared to the base year, however it has more or less remained stagnant from 2015-16 onwards, inspite of significant increase in demand during the same period.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Domestic	MT	1,702	2,600	2,682	2,671
Exports	MT	49	193	176	92

79. The table shows that the domestic industry sales has increased by 57% during the POI over the base year, as against an increase in demand by 319% (as seen from the table relating to demand supra) during the same period. The domestic industry has stated that most of the increase in demand has been grabbed by the imports from the subject countries which have increased by 972% over the same period.

f. Inventories:

80. The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table:

Year	2014-2015	2015-2016	2016-2017	POI
Average Inventory (MT)	***	***	***	***
Trend	100	568	670	640

81. From the above, it is noted that the average inventory stocks have increased and presently the stocks with the Domestic Industry are much more than the average industry norm as informed during the verification.

g. Productivity, Employment and Wages:

82. It has been stated that the number of employees engaged by the Domestic Industry remained more or less same in the POI as compared to the base year inspite of significant increase in production during the same period. The domestic industry has claimed that this is because they have to cut the costs to match the prices offered by the dumped imports.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Employees	Number	24	39	36	28
Production per day	MT per day	4.75	8.68	7.95	8.07
Wages	Rs.	***	***	***	***
Trend	Trend	100	232	250	260

83. It is noted from the above table that the productivity per employee has increased during the POI as compared to the base year which indicates better efficiencies. The Domestic Industry has stated that there has been increase in wages paid to the employees but that is on account of normal hike in wages over the period and hiring of superior skilled employees.

h. Magnitude of Dumping and Dumping Margin:

84. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The analysis shows that the dumping margin determined against subject countries is above *de minimis* and significant.

i. Growth:

85. There was increase in production and sales in absolute terms primarily on account of significant increase in the demand of the subject goods. However, the growth when seen on year to year basis, shows negative trend with respect to most of the injury factors including profits, cash profit as well as ROI. The domestic industry has contended that with increase in demand, the domestic industry had expected growth in profits, comfortable cash flow and increase in return on investments, however, the domestic industry was not able to achieve the same due to the presence of the dumped imports from subject countries at non-remunerative prices.

j. Factors Affecting Domestic Price

86. The import prices are directly affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. It is noted that the landed value of subject goods from subject countries are below non-injurious price of the domestic industry. Further, landed value from subject countries had suppressed and depressed the prices of the Domestic Industry leading to financial losses to them. The imports of the subject goods from countries other than subject countries are negligible in quantities and not injuring the domestic industry. Demand for the product is showing a significantly increasing trend and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry. In view thereof, the alleged dumped imports are interfering with the price structure of the domestic industry.

H. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

87. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the imports from the subject countries for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Sr.No.	Producer	Landed Value	NIP	Injury Margin		
		USD/ MT	USD/ MT	USD/ MT	%	Range
CHINA						
1	M/s Changzhou Bbetter Century film Technologies Co. Ltd.	***	***	***	***	15-25
2	Hangzhou First Applied Material Co. Ltd. / M/s Suzhou First PV Material Co Ltd	***	***	***	***	35-45
3	Changzhou Sveck PV New Material Co. Ltd.	***	***	***	***	35-45
4	Any Other	***	***	***	***	35-45
SAUDI ARABIA						
5	Saudi Specialized Products Company.	***	***	***	***	75-85
6	Any other	***	***	***	***	95-105
THAILAND						
7	TPI all seasons Co. Ltd.	***	***	***	***	45-55
8	Any other	***	***	***	***	75-85

Sr.No.	Producer	Landed Value	NIP	Injury Margin		
MALAYSIA						
9	Any	***	***	***	***	55-65

I. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

88. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling, price undercutting, price suppression, price depression and other indicative parameters listed under the Rules and Agreement on Anti-dumping, the Authority proceeded to see whether any factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

a. Volume and prices of imports from third countries

89. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries are not significant in volume and were reported at high prices. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

b. Contraction in demand:

90. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Therefore, decline in demand is not a possible reason of injury to the Domestic Industry.

c. Changes in the pattern of consumption:

91. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone material change and therefore could not have been the cause for the injury suffered by the domestic industry.

d. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:

92. The Authority notes that there is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

e. Developments in technology:

93. The Authority also notes that technology for production of the product has not undergone any material change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury to the domestic industry.

f. Export performance:

94. The injury analysis has been done by the Authority taking into consideration their domestic operations only. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis.

g. Performance of other products being produced and sold by the domestic industry:

95. Injury to the domestic industry has been analysed on account of product under consideration only. Therefore, performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the present injury analysis.

h. Inter-se competition between the Indian producers:

96. The other domestic producers in India have also not been able to capture the market to their full potential and there is no injury on account of inter-se competition.

J. CAUSAL LINK

97. The Authority examined whether injury to the domestic industry is due to dumped imports. The following factors establishing causal link are relevant for the determination:

- i. Volume of imports from subject countries have increased exponentially throughout the injury investigation period including POI.
- ii. There has been a continuous decline in the import prices throughout the injury investigation period including POI. The decline in import prices has led to significant price depression in the market.
- iii. The market share of the Domestic Industry has decreased from 68% in the base year to 28% during the period of investigation. At the same time, the market share of imports from the subject countries increased from 24% in the base year to 60% in the period of investigation.
- iv. The landed price of imports is significantly below the non-injurious price/fair price of the domestic industry and there is significant price underselling due to low priced dumped imports coming in India;
- v. There has been deterioration in profits which resulted in financial losses, decline in cash profits and negative profit before interest and return on capital employed
- vi. The profitability and return on capital employed have been negative throughout the injury period. This is because of the subject imports being made at dumped prices.
- vii. The producers in subject country reduced their prices in order to retain their volume and market share in the country. Resultantly, the domestic industry was forced to reduce the prices in order to sell its production.
- viii. The non-attribution analysis in the above para clearly establishes that there are no other external or otherwise reasons for the injury to the domestic industry.

K. POST DISCLOSURE COMMENTS**Views of the Domestic Industry**

98. The submissions made by domestic industry are as follows:

- i. The response of the Chinese exporter M/s Changzhou Bbetter Century Film Technologies Co., Ltd. should be rejected as the group company of the said Chinese exporter is also engaged in production and sales of the subject goods and have not filed their questionnaire response. Our market information points out that exports made by them in total exports are miniscule and, therefore, their export price is not reflective of the actual prices and may distort the dumping margin calculated thereon.
- ii. The exporter questionnaire response filed by the Saudi Arabian exporter Saudi Specialized Products Company is highly deficient on multiple counts and should be rejected.
- iii. The subject goods from subject countries have been exported to India at highly dumped prices as is clear from the facts in disclosure statement. Further the dumped imports are causing injury to the Domestic Industry as demonstrated by the deterioration in terms of profitability, ROI and Market share of the domestic industry. Further, the price undercutting, underselling as well as price suppression and depression are significantly positive. In fact, we have collected import data for post-POI period and the trend of increased volume of imports of subject goods at dumped price continues.

- iv. The anti-dumping duty should be imposed to protect the domestic industry from the injury caused by dumped imports.

Views of the opposing interested parties

99. The various submissions made by the producers/ exporters/ importers/ other interested parties during the course of the present investigation with regard to other miscellaneous issues and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. China should not be considered as a non-market economy country, in accordance with relevant provisions of the Protocol on China's accession to the WTO.
- ii. The domestic industry is not utilizing their capacities efficiently and effectively. It seems that unviable excess capacities were created in India with no productive usage of the same. Indian producers (petitioner and supporters) are operating at only 25% capacity utilization and producing only 4,151 MT against the total demand of 10,396 MT. Such huge gap in demand and supply has caused increase in the imports of subject goods from subject countries.
- iii. The economic parameters as analysed in the disclosure statement demonstrate that there is no injury to the Domestic Industry. Further, there is no causal link between the injury to the domestic industry and the imports from subject countries.
- iv. Although the Authority has conducted the non-attribution analysis to see whether any factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry, the Authority failed to analyze the internal factors of the domestic industry, such as deficiencies in their operating strategy and the irrational decisions of increasing production capacity when the capacity utilization was quite low.
- v. There is no correlation between landed price of imports and price of the DI. The price of the DI did not decline in line with the decline in landed price. However, the decline in landed price corresponds to decline in cost meaning thereby the decline in landed price of imports were on account of reduction in cost.
- vi. The Director General has allowed a return of 22% on average capital employed for the product under consideration and has assumed the same to be reasonable. It is submitted that the non-injurious price determined by the Director General is highly inflated and is not based on real situation.
- vii. The Saudi Arabian Exporter has submitted that during the period of investigation a large quantum of subject goods were sold to the Indian customers for the purpose of sampling, testing and qualification of the product at comparatively lower prices, therefore, an upward adjustment on account of special discounted price may be provided for the shipment made for the said purposes. Further, the Saudi Arabian Exporter has submitted that there is error in computation of ex-factory export price and landed value on account of deduction of discounts and rebates given to Indian customers and have requested for appropriate corrections.
- viii. It has been stated that imposition of anti-dumping duty will impact the competitiveness of the solar module producers who are already paying duty on another component called toughened glass. The Authority is requested to appropriately consider the larger public interest and not impose duties on PUC..

Examination by the Authority

100. As regards the claim of the Domestic Industry that the response of exporters M/s Changzhou Bbetter Century Film Technologies Co., Ltd., China PR and M/s Saudi Specialized Products Company, Saudi Arabia, the Authority notes that the responses of the said exporters have been examined in detail and found sufficient.

101. As regards the contention of the Domestic Industry that dumping from the subject countries has intensified in the post POI period, the Authority notes that the purview of the present investigation is limited to the facts and data concerning the injury investigation period and the POI only.
102. As regards the claims of the interested parties with respect to the market economy treatment to China, the Authority notes that additional questionnaire was sent to the Chinese producers and Embassy of China wherein they were asked to rebut the claim of the Domestic Industry that Chinese producers continue to operate under non-market economy conditions. However, none of the responding producers from China have filed the said questionnaire to rebut the said claim of the Domestic Industry. Such being the case, the Authority was constrained to treat China PR as operating under non-market economy conditions and proceed on facts available basis in terms of Para 7 of Annexure I to the Rules.
103. As regards the claims of the opposing interested parties with respect to lower utilization of the capacities by the Domestic Industry, the Authority notes that it is the contention of the Domestic Industry that they are not able to operate at optimum capacities due to the presence of dumped imports from subject countries at substantially lower prices.
104. As regards the claims of the opposing interested parties regarding injury and causal link, the Authority notes that the said issues have already been dealt with in detail in relevant paragraphs above.
105. With respect to the arguments of the interested parties regarding 22% return on capital employed, the Authority notes that the determination of NIP has been done in terms of Annexure II to the Rules and as per the established practices of the Directorate.
106. As regards the argument of the Saudi Arabian exporter regarding an upward adjustment for the purpose of product sold for sampling, testing and qualification purposes, the Authority notes that there is no basis in law for providing such adjustment. Further, there is no evidence on record to substantiate, beyond doubt that the said products were specifically sold for sampling, testing or qualification purposes. However, the calculation errors as pointed out have been duly modified as necessary.
107. The submission regarding the impact of duties on downstream industry was examined in detail. It is clear that the availability of the subject goods will not be hampered and comparing the cost of EVA sheet with the cost of the solar module, it can be inferred that the impact of any duties to be imposed on EVA sheets will be minimal for the solar module manufacturers and it will create a level playing field for the domestic producers of EVA sheets for solar modules.

L. Indian Industry's interest

108. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of antidumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
109. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti- dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

M. Recommendation

110. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping and injury caused by dumped imports from China PR, Malaysia, Saudi Arabia, and Thailand. However, having found that the volume of imports from South Korea was below de-minimis level during the POI, the Authority considers it appropriate to terminate the investigation against South Korea in terms of Rule 14(d).
111. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR, Malaysia, Saudi Arabia, and Thailand, as indicated in Col 6 of the duty table below, for a period of 5 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government:

DUTY TABLE

Sr. No	Tariff Item*	Description of Goods	Country of Origin and/or Export	Producer	Duty Amount	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	3901 30 3920 10	Ethylene Vinyl Acetate (EVA) Sheet for Solar Module	China PR	M/s Changzhou Bbetter Century film Technologies Co. Ltd.	537	USD/MT
2.	3920 62 3920 99 3921 90		China PR	M/s Hangzhou First Applied Material Co. Ltd. / M/s Suzhou First PV Material Co., Ltd	665	USD/MT
3.			China PR	M/s Changzhou Sveck PV New Material Co. Ltd.	590	USD/MT
4.			China PR	Any	897	USD/MT
5.			Saudi Arabia	M/s Saudi Specialized Products Company.	1338	USD/MT
6.			Saudi Arabia	Any	1559	USD/MT
7.			Thailand	M/s TPI all seasons Co. Ltd.	1141	USD/MT
8.			Thailand	Any	1529	USD/MT
9.			Malaysia	Any	953	USD/MT

* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC. The PUC mentioned above should be subject to above ADD even when it is imported under any other HS code.

112. The duty rates as recommended above are applicable for exports of subject goods manufactured by specified producer mentioned in column (5) above. The Customs should verify the name of the producer at the time of clearance of subject goods.

113. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
114. The applicant domestic industry and the responding producers are required to inform the Authority regarding any change in constitution/ ownership of the manufacturing facility, along with relevant documents substantiating the said change, for the subject goods against which Anti-Dumping Measures are being recommended. The information should reach the Authority within 60 days of the said change, if any.
115. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Director General